संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 13
पृष्ठ 8
रविवार
29 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आखों को सुरक्षित रखन के....

विचार- क्यों जरूरी हुआ बच्चों ....

खेल- केन विलियमसन को एक....

जम्मू में पीएम बोले

ये नया भारत है, घर में घुसकर मारता है

- यहां के लोग आतंक नहीं, अलगाववाद चाहते हैं : पीएम
- आतंक के आकाओं को पाताल में भी खोज निकालेगा मोदी
- जम्मू-कश्मीर में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनेगी : मोदी

भाजपा ने गोली का जवाब गोले से दिया : मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि बीते दशकों में यहां सिर्फ कांग्रेस, NC और PDP के नेता और उनके परिवार ही फले-फुले। आपके हिस्से तो सिर्फ और सिर्फ तबाही आई। ये जो हमारी पीढियां बर्बाद हुई हैं, इसकी सबसे बड़ी जिम्मेदार कांग्रेस पार्टी है। आजादी के बाद से ही कांग्रेस की गलत नीतियों ने आपको सिर्फ और सिर्फ तबाही दी। जम्मू का बहुत बड़ा हिस्सा बॉर्डर से सटा है। आप वो दौर याद कीजिये, जब सीमापार से आए दिन गोले बरसते थे, आए दिन मीडिया में ब्रेकिंग न्यूज चलती थी कि श्एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघनश। उधर से गोलियां चलती थी और कांग्रेस वाले सफेद झंडा दिखाते थे। लेकिन जब भाजपा की सरकार ने गोली का जवाब गोले से दिया, तो उधर वालों के होश ठिकाने आ गए।

जम्मू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में ऐतिहासिक चुनाव हो रहे हैं, क्योंकि पहली बार केंद्र शासित प्रदेश में पूर्ण बहुमत वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनेगी।

श्री मोदी ने यह भी कहा कि सितंबर 2016 में हुई सर्जिकल स्ट्राइक ने भारत के दुश्मनों को हिलाकर रख दिया है और अब कोई भी देश के खिलाफ साजिश रचने की हिम्मत नहीं करेगा, क्योंकि 'आतंकवाद के आकाओं को पता है कि मोदी उन्हें कहीं भी छुपकर ढूंढ निकालेंगे।"

प्रधानमंत्री ने जम्मू में विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनकी आखिरी चुनावी रैली है, क्योंकि एक अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर में चुनाव खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा,"आज 28 सितंबर है, पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक सर्जिकल स्ट्राइक की सालगिरह। इसी दिन हमने दुश्मनों को उनके घरों में घुसकर मारा और दुनिया को दिखाया कि यह नया भारत है, जिसे अब और हल्के में नहीं लिया जा सकता।" उन्होंने कहा कि 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक ने आतंकवाद के आकाओं को सबसे बड़ा सबक सिखाया है क्योंकि अब कोई भी भारत की संप्रभुता को छूने की हिम्मत नहीं कर सकता।

प्रधानमंत्री ने कहा,"वर्ष 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक ने आतंकवाद के समर्थकों को सबक सिखाया है कि भारत की संप्रभुता को छूने की हिम्मत कोई नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई भारत के खिलाफ कोई हरकत करता है, तो मोदी सरकार उन्हें कहीं भी छुप जाने की जगह नहीं देगी और उन्हें सबक सिखाएगी।

इस बयान में प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि वर्ष 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को दिखाया है कि भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है और अपने दुश्मनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकता है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस इतनी गिर गई है कि उसने सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगा। उन्होंने पूछा,"क्या वे वोट के लायक हैं?" उन्होंने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की जयंती भी है। उन्होंने कहा,"आज मैं इस शहीद नायक को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।" श्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों के दौरान उन्होंने चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों की यात्रा की।

यमुनानगर पहुंचे योगी, बोले

कांग्रेस समस्या का नाम है, चाहे राम मंदिर हो या आतंकवाद

कांग्रेस में माफिया पनपे

योगी ने कहा कि यह तभी हो सकता है जब डबल इंजन की सरकार मजबूती के साथ चली हो। हरियाणा में डबल इंजन की सरकार ने काफी विकास किया है। कांग्रेस ने यहां पर माफिया को पनपाने का काम किया था। ऐसा कौन सा माफिया है जिस पर कांग्रेस का ठप्पा न लगा हो। अगर इस माफिया से छुट्टी चाहिए तो भाजपा की सरकार को बनाइए। अगर भाजपा है तो आपकी आस्था का सम्मान है। भाजपा सुरक्षा, रोजगार, गरीब कल्याण व विकास की गारंटी है।

यमुनानगर (हरियाणा) (एजेंसी)। हरियाणा के यमुनानगर के रादौर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी श्याम सिंह राणा के समर्थन में चुनाव प्रचार करने के लिए आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाचरौन गांव में पहुंचे। नाचरौन गांव में जहां पर सीएम योगी चुनाव प्रचार करने पहुंचे उसके आसपास के एरिया में राजपूत समाज का अच्छा खासा वोट है। योगी आदित्यनाथ ने कहा 500 साल बाद भगवान राम लला भव्य मंदिर में विराजमान हो गए। इस मार्ग में कांग्रेस सबसे बड़ी बाधा थी। जब तक देश में कांग्रेस का शासन रहा वह आपकी आस्था को वह सम्मान नहीं दे पाई। देश में आस्था से खिलवाड़ करना कांग्रेस का जन्मसिद्ध अधिकार बन गया। भाजपा की सरकार बनते ही मात्र पांच साल में वह काम हो गया जो 500 साल में नहीं हो पाया। कांग्रेस समस्या का नाम है। चाहे राम मंदिर की समस्या रही हो, चाहे आतंकवाद की समस्या हो या फिर नक्सलवाद की समस्या हो। देश में परिवारवाद, आतंकवाद व जातिवाद के नाम पर जितने भी भेदभाव हैं वह सब कांग्रेस की देन है। लेकिन भाजपा उस समाधान का नाम है जिसमें आपका वर्तमान सुरक्षित हो। योगी ने कहा कि मैं दो दिन जम्मू कश्मीर में चुनाव प्रचार करने के लिए गया। मौसम खराब होने के कारण में थोड़ी देर के लिए एयरपोर्ट के अंदर चला गया। वहां पर मुझे किसी ने पीछे से योगी जी राम-राम कहा। मैंने पीछे मुड़कर देखा तो राम-राम करने वाला एक मौलवी था। मुझे विश्वास हो गया कि यह आर्टिकल 370 के हटने का परिणाम है। अब यह समझ में आ रहा है कि अगर हम बंटे नहीं होते तो न राम मंदिर टूटता और न ही कृष्ण जन्मभूमि पर कोई दूसरा ढांचा खड़ा होता। यहां तक की देश को भी गुलाम नहीं होना पड़ता। योगी ने कहा कि एक मजबूत और सुदृढ़ सरकार को बनाइए। जो कल तक राम मंदिर व कृष्ण जन्म भूमि का विरोध कर रहे थे वहीं लोग सड़कों पर हरे रामा-हरे कृष्णा का भजन गाते हुए दिखाई देंगे।

मोदी सरकार की नीतियों ने बर्बाद कर दिया देश के युवाओं का भविष्य : खड़गे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवा विरोधी हैं और उनकी नीतियों ने युवाओं के लिए रोजगार के कोई अवसर पैदा नहीं किए हैं,जिससे देश का युवा बर्बाद हो गया है। श्री खड़गे ने आज यहां कहा, ष्बेरोजगारी से बड़ा देश में कोई मुद्दा नहीं है। युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने में मोदी जी का सबसे बड़ा योगदान है। अभी आए पीएलएफएस के आँकड़ों को अगर बारीकी से देखें तो लाख कोशिशों के बावजूद ये सरकारी डेटा युवाओं की बेबसी को छिपा नहीं पा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया और कहा,ष्श्री नरेन्द्र मोदी जी को बताना चाहिए कृ क्या 2023-24 में युवा बेरोजगारी 10.2 प्रतिशत के भयावह स्तर पर नहीं है। रंग-बिरंगे नारे देने और फोटोबाजी करने के बजाय मोदी जी ने युवाओं को नौकरियां देने के लिए क्या किया। क्या ये सच नहीं है कि जिन महिलाओं के पास रेगुलर आय की नौकरी है उनकी संख्या अब सात वर्षों में सबसे कम होकर मात्र 15.9 प्रतिशत रह गई है।ष कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ष्क्या गाँव-देहात में अनपेड नौकरी करने वाली महिलाओं की संख्या 2017-18 के 51.9 प्रतिशत से बढ़कर अब 67.4 प्रतिशत नहीं हुई है, जो ग्रामीण बेरोजगारी को दर्शाता है। विनिर्माण क्षेत्र पर रोजाना ढिंढोरा पीटने वाली मोदी सरकार ने इसमें पिछले सात वर्षों में रोजगार में बढ़ोतरी क्यों नहीं की है।

स्मार्ट बिजली मीटर को तेजस्वी ने बताया चीटर

1 अक्टूबर से आंदोलन का किया ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार में स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर सियासत तेज हो गई है। नीतीश सरकार पर राष्ट्रीय जनता दल और तेजस्वी यादव आक्रामक हैं। तेजस्वी यादव लगातार स्मार्ट बिजली मीटर को चीटर बता रहे हैं और ऐलान किया है कि वह और उनकी पार्टी पहली अक्टूबर से राज्य में स्मार्ट मीटर के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन करेंगे।

एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी आप

यह असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक : आतिशी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने शनिवार को शुक्रवार को हुए एमसीडी स्थायी समिति के चुनावों को असंवैधानिक बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी। भाजपा ने दिल्ली नगर निगम की 18 सदस्यीय स्थायी समिति की आखिरी खाली सीट शुक्रवार को निर्विरोध जीत ली। सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस के पार्षदों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। आतिशी ने आज कहा कि हम निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और आज सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जाएगी क्योंकि बीजेपी ने कल सदन में जो चुनाव कराया वह पूरी तरह से अवैध है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम अधिनियम बिल्कुल स्पष्ट है कि बैठक बुलाने का अधिकार केवल महापौर को है, बैठक की अध्यक्षता करने का अधिकार केवल महापौर और उनकी अनुपस्थिति में उपमहापौर को है। इसलिए हम इस अलोकतांत्रिक चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और आज ही हम इस अवैध, असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा द्वारा कल कराया गया चुनाव अवैध, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। दिल्ली नगर निगम अधिनियम 1957 के तहत कई नियम, कानून और उपनियम बनाए गए हैं जिनके द्वारा एमसीडी को चलाया जाता है।

आमंत्रण पत्र

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज

(शहर समता अखबार द्वारा संचालित)

महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक एवं सावित्री देवी सम्मान अंक (मिली संजय श्रीवास्तव) के विशेषांक का लोकार्पण एवं महिला-पुरुष काव्यगोष्ठी

अध्यक्षता - वरिष्ठ कवि राम कैलाश पाल 'प्रयागी'
मुख्य अतिथि - प्रो0 सरोज सिंह, डॉ0 सविता श्रीवास्तव
विशिष्ट अतिथि- डॉ0 रामजी मिश्र, डॉ0 कल्पना वर्मा

दिनांक 29 सितम्बर, 2024 दिन रविवार
समय - अपराह्न 3:30 बजे से
स्थान - बायोवेद शोध संस्थान, प्रयागराज (प्रयाग रेलवे स्टेशन के निकट)

राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना
प्रबंध सम्पादक अरविंद कुमार पाण्डेय
सम्पादक सचिव उमेश श्रीवास्तव

आदर्श लोकनाट्य 'रामलीला' की रंगमंची, परम्परा संजोए रखना जरूरी

आधुनिकता की चकाचौंध में बदल रहा पुराना लोकरंग

अशोक सिंह 'बेशरम'

आज के बदलते परिवेश और आधुनिकता की चकाचौंध में कई विमर्श और परिदृश्य के नयेपन का विस्तार हो रहा है। हमारी सोच और चिंतन की परिधि,परिभाषा, अवधारणा,उद्देश्य हमें बिस्तार कीओर आकर्षित कर रहे हैं तो वहीं हमें विविधता से जोड़ते विविध माध्यमों में भी एक दूसरे से आगे जाने की होड़ लगी है। ऐसे में अतीत के कई मानकों की असल जमीन इस बनावटीपन के दायरे में खोने से बचाने की जरूरत है। जरुरत है अपने आदर्श लोकनाट्यश्रामलीलाश्की उस लोक परम्परा को संजोए रखने की।

आज,जरूरत है,शहर नगर गांव गांव रामलीला की रंगमंचीय शैली का पुराना लोकरंग जीवन्त करने की। जरुरत है,मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के लोकोत्तर जीवन के चरित्र आदर्श मर्यादा के उस लोक स्वरुप से जन-जन को जोड़ने की।

कुछ दशक पहले नवरात्रि के आरंभ होते ही गांव-गांव रामलीला मंचन की परंपरा अनवरत महीनों तक चलती थी।हमारे धर्म परायण समाज में जीवन मूल्य अनुप्रानित करती रामलीला का लोकस्वरूप अतीत में मध्यकालगत सामन्तों,जमीदारों और अभिजात्य वर्ग तक ही सीमित रहा ,लेकिन कालांतर में वह धीरे-धीरे जनमानस से जुड़ गया।दर्शन और पात्रों के बीच रामभक्ति की रंगमंचीय परंपरा रामलीला महोत्सव के रूप में प्रत्येक गांव की चौपाल से जुड़ी।रामलीला महोत्सव में लोग मात्र तमाशाबीन बन कर नहीं जाते थे। आयोजन को लेकर कलाकार और रंग शिल्पी सब के सब मंचन के भाव पक्ष की रोचकता पर विशेष ध्यान देते।कलाकारों का चयन साज,सज्जा, मुखौटे, धनुष,बाण,मुकुट वेशभूषा,डोरी पर्दा,सहित आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कमेटियों के द्वारा की जाती। भाव प्रधान इस लोकनाट्य की विविध प्रसंगों को रोचक बनाने के लिए वसुनायक,किंकर आदि रामायण,राधेश्याम रामायण जैसे कई रामायणों से कलाकारों हेतु विविध पाठों के चयन की परंपरा रही। इस धर्म प्रधान नाटक के माध्यम से प्रेक्षकों के हृदय में राजा,प्रजा गुरु,पिता,पति,भाई, परिवार,समाज की प्रकृति और सत्य का एक दूसरे के प्रति आदर भाव प्रेम निष्ठा कर्तव्य जैसे आदर्श स्थापित करना ही मंचन का प्रमुख ध्येय था। रामलीला की अभिव्यक्ति में परिलक्षित प्रेम सत्य ज्ञान हमें लौकिक और अलौकिक जीवन के विविध रंगों से जोड़ता था।अभिनय करने वाले पात्र प्रमुख रूप से गांव के ही होते थे।जिन्हें कमेटियों द्वारा उनके कद, काठी,सुंदरता स्वर, क्षमता के अनुरूप निर्देशक और महंत द्वारा चयनित किया जाता था।महीना भर पहले पात्रों के पाठ और संवाद वितरित कर पखवारे भर पहले चौपाल में कलाकारों का रिहर्सल होता। उम्र दराज कई पुराने मशहूर लोक कलाकार नए कलाकारों को तालीम देते। बाहर नौकरी करने वाले कई कलाकार कुछ दिन की छुट्टी लेकर अपने गांव की रामलीला मेंअभिनय हेतु आ जाते थे।अपने गांव की रामलीला को बेहतर बनाने के लिए आपस में होड़ लग जाती।पहले दिन मुकुट पूजन से लेकर अनवरत 10 दिन तक विविध प्रसंगों से जुड़ी रामलीला के मंचन में भक्ति भाव के साथ ग्रामीणों की बड़ी भीड़ जुटती।बिना भेदभाव गांव की महिलाएं, बुजुर्ग,बच्चे और युवा जमीन पर बिछे बिछौने पर बैठ,देर रात तक रामलीला का लोकानन्द उठाते। अपने कुशल अभिनय को लेकर कई पात्र उसी नाम से मशहूर हो जाते और गांव के लोग इसी नाम से पुकारते । विशेष रूप से धनुष यज्ञ और लक्ष्मण शक्ति की रामलीला का विविधतापूर्ण,रोचक प्रसंग रामलीला मैदान में बड़ी भीड़ को आकर्षित करता। मंचन के उपरांत गांव के पास की सड़क या बागों में दशहरा मेला का भव्य आयोजन होता।जहां बांस की फट्टियों से रावण का भव्य पुतला तैयार करने के बाद आकर्षक साज सज्जा में राक्षस दलऔर वानर दल की लड़ाई का रोमांचक दृश्य लोगों को भरपूर आकर्षित करता। मेले में तरह-तरह की गंवई दुकानें सजती।खान-पान के बिविध सामान, बांसुरी गुब्बारे और झूले बच्चे और आमलोगों को लुभाते और दशहरा मेला समाप्त होते ही सभी लोग तरह तरह की सुधियों में खोये अगले बरस की प्रतीक्षा में रम जाते।

आज रील,फिल्म और परदे की चकाचौंध में शायद गंवई रामलीला का वह प्रत्यक्ष रूप गुम सा होता जा रहा है। दूसरी ओर गणेश उत्सव और दुर्गा पूजन की परंपरा के बढ़ते प्रभाव के साथ-साथ रामलीला मंचन के कार्यक्रमों में भी तेजी से कमी आई है।हो ना हो लोकनाट्य का वह रागरंग,आदर्श स्वरूप जो कभी गांव-गांव अनवरत 10 दिनों तक मंचन के माध्यम से पूरे समाज को प्रत्यक्ष रूप से आदर्श चरित्र मर्यादा समरसता के भाव प्रभाव और अपने अतीत की अनमोल विरासत से जोड़ता था वही लोक रंग पुनः स्थापित करने की जरूरत है।जिससे हम अतीत की परंपरा,पुरखों की विरासत और रामलीला मंचन की अनूठी पहचान को कायम रख सकें।

दिव्यांग महाकुंभ में महालापरवाही, बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के जारी कर दिए 500 प्रमाणपत्र

प्रयागराज। दिव्यांग प्रमाणपत्र बनाने में बड़ी लापरवाही सामने आई है। 2019 में हंडिया तहसील में दिव्यांग महाकुंभ शिविर में करीब 500 दिव्यांगों को बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के ही प्रमाणपत्र जारी कर दिए गए हैं। खास बात है कि इस पर सीएमओ की ओर से काउंटर साइन भी हैं। पात्र जब योजनाओं के लाभ के लिए सीएमओ कार्यालय पहुंचे तो पता चला कि यह प्रमाणपत्र अमान्य है। इतना ही नहीं, 2023 में प्रतापपुर ब्लॉक में शिविर लगाया गया, लेकिन आज तक इनके भी प्रमाणपत्र कोरियर से आ नहीं सके। दिव्यांग सीएमओ कार्यालय आते हैं तो यह कहकर उन्हें वापस कर दिया जाता है कि बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के प्रमाणपत्र मान्य नहीं है। अब फिर पूरी प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ेगा, जिसके बाद नया प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। 2019 में हंडिया तहसील के प्रतापपुर विकास खंड के सिमरी गांव के इंग्लिश मीडियम स्कूल में दिव्यांग प्रमाणपत्र व उपकरण उपलब्ध ा कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने शिविर लगाया था। इस दौरान करीब 500 लोगों को दिव्यांग प्रमाणपत्र दिया गया। वहीं, जब इनमें से कुछ लोग प्रमाणपत्र नवीनीकरण कराने को सीएमओ कार्यालय पहुंचे तो इसे अधूरा बताकर उन्हें फिर से पूरी प्रक्रिया करने के लिए कहा गया। इन्हीं पीड़ितों में से बाबूपुर बेलो निवासी खेती करने वाले लाल पाल हैं। इनका 18 वर्षीय बेटा मानसिक रूप से दिव्यांग है। जब बेटे को ई–रिक्शा से लेकर सीएमओ कार्यालय पहुंचे तो पूरे दिन खड़े रखने के बाद इन्हें यह कहकर वापस कर दिया गया कि प्रमाणपत्र में रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं है। इसलिए पूरी प्रक्रिया फिर से करनी पड़ेगी। लाल ने कहा कि साहब...मेरा बेटा मानसिक रूप से दिव्यांग है। सीएमाओ कार्यालय में कहा गया कि यह प्रमाणपत्र सही नहीं है। अब मैं अपने बेटे को लेकर कहां–कहां भटकूं। हंडिया तहसील में 2019 के दिव्यांग महाकुंभ में बनाए गए प्रमाणपत्र में रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं डाले गए हैं। वहीं, 2023 में प्रतापपुर ब्लॉक में भी शिविर लगा 200 लोगों की जांच की गई, लेकिन आज तक उनके प्रमाणपत्र कोरियर से आ नहीं सके। अब दिव्यांग सीएमओ कार्यालय के चक्कर लगा रहे। – राम सजीवन, ग्राम प्रधान, गुरबेला, प्रतापपुर ये प्रमाणपत्र शिविर के दौरान जारी किए गए थे। इनमें रजिस्ट्रेशन नंबर न होने की बात मेरे संज्ञान में नहीं है।

कुछ लोगों की शिकायत सामने आई है, जिसके संबंध में जानकारी इकट्ठा की जा रही है। समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा। इसके अलावा दिव्यांगता प्रमाणपत्र एक साल बाद भी न मिलने के मामले को मैं पता कराता हूं।

महाकुंभ के लिए पर्यटकों में विला, डीलक्स और महाराजा का क्रेज, बुकिंग हो गई फुल

प्रयागराज। महाकुंभ के लिए टेंट सिटी का कार्य भले ही अभी शुरू नहीं हो सका है, लेकिन पर्यटकों और श्रद्धालुओं में इसका खासा क्रेज दिख रहा है। पर्यटन विभाग की ओर से बनाए जा रहे 55 कॉटेज (विला, डीलक्स और महाराजा) की बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है। वहीं टेंट सिटी में बन रहे दो हजार टेंटों के लिए भी सैकड़ों की संख्या में लोगों ने बुकिंग कराई है। इसके अतिरिक्त झूंसी में भी 200 टेंट के लिए बुकिंग शुरू हो चुकी है। महाकुंभ में दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए अरैल में डीपीएस के सामने पर्यटन विभाग की ओर से टेंट सिटी का निर्माण होना है। यहां लगने वाले दो हजार टेंटों के लिए कागजी प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। 1600 टेंटों के लिए वेंडर फाइनल कर लिए गए हैं, जबकि 400 के लिए अभी टेंडर जारी किए गए हैं। इसके अलावा झूंसी में लगने वाले 200 टेंट के लिए भी टेंडर हो चुके हैं, लेकिन मेला क्षेत्र में जलभराव के कारण अभी कार्य शुरू नहीं हो सका है। वहीं पर्यटन विभाग की ओर से परेड ग्राउंड में जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर 55 विशेष कॉटेज बनाए जाने हैं। विला, डीलक्स और महाराजा श्रेणी में बनने वाले कॉटेज की कीमत काफी अधिक है। विला में चार लोग रह सकेंगे। इसके लिए व्यक्ति को प्रतिदिन 35 हजार रुपये प्लस टैक्स देने होंगे। इसी प्रकार महाराजा कॉटेज में दो लोगों के रहने की व्यवस्था होगी और इसका किराया 24 हजार रुपये प्लस टैक्स तय किया गया है, जबकि डीलक्स में दो लोगों के लिए 12 हजार रुपये प्लस टैक्स अदा करना होगा। इस संबंध ा में पर्यटन विभाग के होटल राही इलावर्त के मुख्य व्यवस्थापक डीपी सिंह का कहना है कि अक्तूबर से टेंट सिटी का कार्य शुरू हो जाएगा। इससे पहले आनलॉइन बुकिंग का कार्य चल रहा है, जिसके लिए पर्यटकों और श्रद्धालुओं में क्रेज दिख रहा है। कॉटेज के लिए बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है, जबकि टेंट सिटी के लिए वेंडर की ओर से भी बुकिंग चल रही है। इंटरनेट पर कई अनाधि ाकृत वेबसाइटों से भी कॉटेज और टेंट सिटी के लिए बुकिंग की जा रही है। इसके तहत कुंभ से जुड़े फोटो और वीडियो डालकर लोगों को लुभाया जा रहा है। ऐसे में पयर्टन विभाग ने ऐसी वेबसाइटों से लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। मुख्य व्यवस्थापक डीपी सिंह का कहना है कि पर्यटन विभाग ने बुकिंग के लिए छह वेबसाइट को अधिकृत किया है। इनका लिंक पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दो अस्पतालों का पंजीकरण किया निरस्त

गंगापार। मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज के निर्देश पर शुक्रवार शाम अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (पंजीकरण) आरसी पांडे के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बारा क्षेत्र के अस्पतालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में शंकरगढ़ के दो अस्पतालों का पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई की और गौहनिया के एक अस्पताल को सीज कर दिया। टीम द्वारा शंकरगढ़ स्थित फैमिली पॉली क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा निर्गत पंजीकरण प्रपत्र मिला व चिकित्सक डॉ बबिता सिंह उपस्थित मिली। टीम द्वारा नगर पंचायत शंकरगढ़ के चन्द्रा नर्सिंग होम एवं प्रज्ञा हास्पिटल का भी निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा सीएलएस केयर एण्ड क्योर हास्पिटल, रानीगंज का भी निरीक्षण किया गया तो वहां लगभग आधा दर्जन मरीज एडमिट मिले, किन्तु चिकित्सक मौके पर नहीं थे। साथ ही बायो मेडिकल वेस्ट का प्रबन्ध ान न होने व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाण–पत्र न होने के कारण हास्पिटल के पंजीकरण को निलम्बित करने की बात बताई गई। स्वास्थ्य टीम द्वारा नगर पंचायत शंकरगढ़ के ही धर्मराज हास्पिटल की भी जांच पड़ताल की गई जिसमें कमी पाये जाने के कारण उसका भी पंजीकरण निलम्बित करने की बात बताई गई। टीम द्वारा अन्त में गौहनिया हाईवे साइड रोड, ईट प्लाट के बगल, बाईपास रोड पर स्थित स्टार चिल्ड्रेन एण्ड जनरल हास्पिटल का निरीक्षण किया गया। जिसमें ओटी, बेड, मेडिकल स्टोर, डाक्टर चौम्बर सब कुछ था, किन्तु पंजीकरण न होने के कारण सील कर दिया गया। इस विषय पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज डॉ आरसी पांडे ने बताया क्षेत्र के दो अस्पतालों का पंजीकरण निरस्त किया गया है जिसमें एक अस्पताल में लगभग आधा दर्जन मरीज भर्ती थे परंतु उनका देखभाल के लिए कोई भी कुशल डॉक्टर मौजूद नहीं थे। साथ ही नगर पंचायत के ही धर्मराज हॉस्पिटल की जांच पड़ताल की गई तो वहां कोई भी मरीज नहीं थे न ही कोई सुविधा उपलब्ध थी जिसके कारण वहां का भी पंजीकरण निरस्त कर दिया गया। स्वास्थ्य टीम की तरफ से मुख्य रूप से जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी पंकज कुमार,राकेश जयसवाल एवं अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

इजराइल में रोजगार के लिए निर्माण श्रमिकों से मांगे आवेदन

प्रयागराज। भारत एवं इजराइल सरकार के बीच हुए अनुबंध ा के अंतर्गत इजराइल में निर्माण श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने के लिए एनएसडीसी संस्था नामित की गई है। फ्रेमवर्कध शटरिंग कारपेंटर, आयरन बेंडिंग, सिरेमिक टाइल और प्लास्टरिंग कार्यों के लिए श्रमिकों की नियुक्ति होनी है। 25 से 45 वर्ष के कम से कम तीन वर्ष की वैधता का पासपोर्ट रखने वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को संबंधित ट्रेड में कम से कम तीन वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए। अन्य शर्तें एवं अहर्ताएं सेवायोजन विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध है। इन ट्रेड से संबंधि ात जिले के निर्माण श्रमिकों के लिए रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा प्रारंभ हो गयी है। इस संबंध में अधिक जानकारी जिले के सेवायोजन कार्यालय अथवा कॉल सेंटर नंबर 155330 से प्राप्त की जा सकती है।

26 साल से कानूनी लड़ाई लड़ रहे शिक्षक को मय ब्याज मिलेंगे 1,25,92,090 रुपये, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा निदेशक को 26 साल से बकाया वेतन पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे शिक्षक का भुगतान एक हफ्ते में करने का निर्देश दिया है। ऐसा करने से विफल रहने पर 30 सितंबर को अदालत में अवमानना की कार्यवाही के लिए हाजिर रहने का आदेश दिया है। हैरान कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की लेटलतीफी की वजह से सरकार को ब्याज के रूप में 88 लाख रुपये भुगतान करना पड़ेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय की अदालत ने बलिया के जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याची की नियुक्ति मृतक आश्रित कोटे में दो जुलाई 1994 से जूनियर हाईस्कूल बलिया में हुई थी। तब से वह बिना वेतन के पढ़ा रहा था। हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल, 2002 को याचिका मंजूर करके बीएसए को नियमित वेतन भुगतान का निर्देश दिया। साथ ही नौ प्रतिशत ब्याज के साथ बकाये वेतन का भुगतान तीन माह में करने का निर्देश दिया था। लेकिन, तत्कालीन बीएसए ने आदेश का पालन नहीं किया। इसके बाद याची ने एक अन्य याचिका 2009 में भी दाखिल की। उस पर भी मय ब्याज बकाये वेतन का भुगतान करने का आदेश हुआ। इसके बावजूद भुगतान नहीं हुआ। मजबूर शिक्षक ने 2009 में अवमानना याचिका दाखिल की, जो 14 साल बाद आज भी लंबित है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने शिक्षा विभाग से जवाबी हलफनामा मांगा था। आदेश के अनुपालन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बलिया और बेसिक शिक्षा विभाग वित्त नियंत्रक व्यक्तिगत हलफनामे दाखिल कर बताया कि रिट कोर्ट के आदेश के अनुपालन के संदर्भ में बेसिक शिक्षा निदेशक को याची के बकाये 1,25,92,090 /–रुपये स्वीकृत करने के लिए पत्र लिखा गया है। इसमें वेतन का बकाया और बकाया राशि पर ब्याज भी शामिल है। कोर्ट ने पाया कि निदेशक की स्वीकृति का अभाव में एक तरफ 14 साल से याची कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। दूसरी ओर याची को मिलने वाली धनराशि का ब्याज 88 लाख रुपये से ऊपर जा चुका है। कोर्ट ने हैरानी जताई कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण सरकार याची को 88 लाख रुपये का भुगतान करेगी। यह भुगतान देश के करदाताओं के रुपयों से होगा। कोर्ट ने बेसिक शिक्षा निदेशक को 30 सितंबर तक याची का पूरा बकाया ब्याज सहित भुगतान कर हलफनामा दाखिल करने निर्देश दिया है। अनुपालन न करने पर निर्धारित तारीख पर अवमानना का आरोप निर्मित कराने के लिए अदालत के हाजिर रहने का आदेश दिया है।

अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने के लिए कपिलमुनि और सूरजभान को मिली पेरोल, जेल से आएंगे बाहर

प्रयागराज। पूर्व विधायक नीलम करवरिया के अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने के लिए जेठ पूर्व सांसद कपिलमुनि करवरिया और देवर पूर्व विधान परिषद सदस्य सूरजभान करवरिया को तीन दिनों की पैरोल मिल गई है। दोनों शनिवार को नैनी सेंट्रल जेल से तीन दिनों के लिए दोनों बाहर निकलेंगे। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और सुरेंद्र सिंह प्रथम की अदालत ने उदयभान और सूरजभान की अपील पर सुनवाई करते हुए दोनों को 28 सितंबर से एक अक्तूबर को शाम चार बजे तक की पेरोल पर छोड़ने का आदेश दिया है। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस की तैनाती रहेगी। मेजा की पूर्व विधायक नीलम करवरिया का बृहस्पतिवार की देर रात निधन हो गया था। शुक्रवार को उनका पार्थिव शरीर हैदराबाद से पहले मेजा और फिर कल्याणी देवी स्थित उनके निवास स्थान लाया गया। शनिवार को पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार दोपहर बाद रसूलाबाद घाट पर किया जाएगा। लिवर संबंधी बीमारी के बाद नीलम करवरिया को हैदराबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार की रात बीपी लो होने के बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। रात 11 बजे के करीब उन्होंने अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जेठ कपिलमुनि करवरिया और देवर सूरजभान को 72 घंटे की पैरोल मिली है। जबकि, पति उदयभान करवरिया कुछ दिन पहले ही जेल से रिहा होकर बाहर आए हैं। शुक्रवार की शाम कल्याणी देवी स्थित निवास पर शव पहुंचने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद, विधायक सहित अन्य नेताओं ने पहुंचकर दिवंगत शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर पोस्ट कर श्रद्धांजलि दी। बता दें कि 2017 में भाजपा प्रत्याशी के रूप में मेजा से विस चुनाव जीतकर नीलम करवरिया विधायक बनीं थीं।

ललिता देवी मंदिर में बाहर से लड्डू-बर्फी लाकर चढ़ाने पर रोक, मंदिर पर चस्पा किया नोटिस

प्रयागराज। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट के बाद संगमनगरी प्रयागराज के प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां ललिता देवी मंदिर में बाहरी प्रसाद के चढ़ावे पर रोक लगा दी गई है। मां ललिता देवी मंदिर में पोस्टर चस्पा करके भक्तों से आग्रह किया गया है कि नवरात्रि में वह सिर्फ मेवा, फल और फूल ही प्रसाद स्वरूप चढ़ाएं, बाहरी दुकान से खरीदे हुए प्रसाद को न चढ़ाया जाए। मंदिर के पिलर और मुख्य द्वार पर लगाए गए पोस्टर में बाहरी प्रसाद को न चढ़ाने का आग्रह भक्तों से किया गया है। मंदिर के मुख्य पुजारी शिव मूरत मिश्रा और प्रबंधन से जुड़े हरि मोहन वर्मा ने बताया कि शुद्धता को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मंदिर आने वाले भक्तों से बाहरी प्रसाद न चढ़ाने का आग्रह किया गया है। मंदिर प्रबंधन के फैसले का असर भी दिखाई देने लगा है। यहां आने वाले भक्त मेवा, फल और फूल ही चढ़ाने के लिए आ रहें हैं। मां ललिता देवी मंदिर शक्तिपीठ के तौर पर विख्यात है। नवरात्रि में यहां पर भक्तों का हुजूम उमड़ता है। ऐसे में भक्तों की आस्था को ठेस न पहुंचें, इसका ख्याल भी मंदिर प्रबंधन द्वारा किया जा रहा है। तिरुपति मंदिर में प्रसाद के मिलावट के बाद मां ललिता देवी मंदिर में बाहरी प्रसाद लाने पर रोक लगा दी गई है।

नहाते वक्तमहिलाओं का वीडियो बनाने का मामला, हाईकोर्ट ने सरकार को लगाई फटकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के गंगानगर घाट पर नहाते वक्त महिलाओं का वीडियो बनाने के आरोपी इनामी महंत मुकेश गिरी के मामले में सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट के प्रमुख सचिव (विधि और न्याय) की पेश रिपोर्ट पर तल्ख अंदाज में सरकार से पूछा...दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी? एक लाख के इनामी महंत मुकेश गिरि की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की अदालत कर रही है। सीलबंद रिपोर्ट अदालत में खुली तो कोर्ट ने महाधिवक्ता से पूछा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी? इस पर उन्होंने कार्रवाई के संबंध में रिपोर्ट पेश करने को दो दिन की मोहलत मांगी है। अब मामले की सुनवाई 30 सितंबर को होगी। इससे पहले सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि पुलिस ने साक्ष्य छिपाकर हलफनामा दाखिल किया था। इस पर खफा कोर्ट ने प्रदेश के मुख्य सचिव को निर्देश दिया था कि वह प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी से बिंदुवार जांच करा 12 सितंबर तक सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दाखिल करें। कोर्ट ने पुलिस के साथ–साथ महाधिवक्ता कार्यालय और अभियोजन निदेशक कार्यालय की कार्य शैली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए थे। इसके बाद कोर्ट अपर महाधिवक्ता पीके गिरि ने खुद के नाम से लिखे गए पत्र को अपना मानने से इनकार कर दिया। कोर्ट में मौजूद रहे महाधिवक्ता ने बताया कि प्रमुख सचिव (विधि और न्याय) को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। पिछले आदेश के अनुपालन में चल रही जांच रिपोर्ट दो हफ्ते में पेश की जा सकेगी। लिहाजा, कोर्ट ने मामला 26 सितंबर के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया था। नियत तारीख पर प्रमुख सचिव (विधि और न्याय) की ओर से पेश सीलबंद रिपोर्ट खोली गई। कोर्ट ने महाधिवक्ता की रिपोर्ट का अध्ययन करने की मोहलत दी। साथ ही पूछा कि क्या रिपोर्ट के अनुसरण में दोषी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जवाब में उन्होंने कार्रवाई के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए दो दिन का समय मांगा। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को नियत की है।

डीआईओएस पद पर प्रमोशन के लिए बीएसए को दी बधाई

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी को जिला विद्यालय निरीक्षक पद पर पदोन्नति मिलने पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ फूलपुर इकाई के सदस्यों ने बधाई दी। पीईएस कैडर के अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने प्रयागराज से ही सह जिला विद्यालय निरीक्षक के रूप में कॅरियर की शुरूआत की थी। निपुण भारत मिशन और कायाकल्प योजना में अच्छे काम के अलावा जिले के सभी 20 कस्तूरबा विद्यालयों में रेडियो फ्रीक्वेंसी टॉवर के जरिए 24 घंटे इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए।

सीएमओ व मेडिकल बोर्ड को ही गर्भपात से जुड़े कानूनों की जानकारी नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी कर कहा है कि सीएमओ व मेडिकल बोर्ड को ही गर्भपात से जुड़े कानूनों की जानकारी नहीं है। इसलिए प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग उप्र. गर्भपात की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करें। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने कौशाम्बी की नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता और परिजनों की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। पीड़िता और उसके परिवार ने प्रेग्नेंसी टर्मिनेशन के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने मेडिकल बोर्ड के गठन का निर्देश दिया था। मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में कहा गया कि करीब 29 सप्ताह का गर्भ है। इस अवस्था में गर्भपात एवं गर्भ को पूर्ण अवधि तक ले जाने से पीड़िता के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचेगा। पीड़िता और उसके परिवार के सदस्य चिकित्सीय गर्भपात चाहते थे। लिहाजा, कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए गर्भपात की अनुमति दे दी। साथ ही निर्देश दिया कि पीड़िता और उसके परिवार के सदस्यों का नाम सभी दस्तावेजों से हटा दिया जाए। यह भी कहा कि गर्भपात से संबंधित ऐसे सभी मामलों में पीड़िता या उसके परिवार के सदस्यों का नाम उल्लेखित नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कौशाम्बी के सीएमओ को निर्देश दिया है कि टीम के साथ पीड़िता का गर्भपात कराएं। वहीं, प्रयागराज के डीएम मामले की निगरानी करें। इस दौरान के खर्च का प्रदेश सरकार वहन करे। कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा कि हमारे सामने चिकित्सीय गर्भपात के लिए दाखिल होने वाली याचिकाओं में हमने पाया है कि ऐसे मामलों में सीएमओ, मेडिकल कॉलेज और मेडिकल बोर्ड के डॉक्टर को पीड़िता की जांच करते समय और उसके बाद मेडिकल गर्भपात के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में जानकारी नहीं है। जबकि, ऐसे मामलों में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया चिकित्सीय गर्भपात अधिनियम, 1971 में निर्धारित की गई। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी रूल्स, 2003 और मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी रेगुलेशन, 2003 के साथ–साथ सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों में भी इसका उल्लेख किया गया। पूरी प्रक्रिया में शामिल संवेदनशीलता को ध्यान में रखना होगा। इसलिए कोर्ट ने प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को सभी सीएमओ को एसओपी जारी करने का निर्देश दिया।

सपा से कौड़िहार ब्लॉक प्रमुख व गोतस्कर गिरोह सरगना के दो भाइयों पर केस, धमकी देने का मामला

प्रयागराज। सपा से कौड़िहार ब्लॉक प्रमुख व गोतस्कर गिरोह सरगना मुजफ्फर के दो भाइयों पर एक और केस दर्ज हुआ है। एक करोड़ रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराने वाले पीड़ित का आरोप है कि अकरम व अशरफ ने रास्ते में रोककर मुकदमे में पैरवी न करने के लिए धमकाया। सादे कागज पर जबरन दस्तखत भी

करा लिए। पूरामुफ्ती पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। रामजीवन भगवानपुर थाना सरायअकिल, जनपद कौशाम्बी का रहने वाला है। उसने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि तीन सितंबर को वह अपने घर से प्रयागराज जा रहा था। रास्ते में ग्लास फैक्टरी बम्हरौली के पास चारपहिया वाहन से आए मो. अशरफ व अकरम निवासी बेगम बाजार ने उसे बुलाया और अपनी गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद कहने लगे कि तुमने जो मुकदमा हम भाइयों पर लिखवाया है, उसमें समझौता कर लो। नहीं तो तुम्हें जान से मार देंगे। दोनों ने काफी डराया धमकाया और कोर्ट का पेपर निकालकर हस्ताक्षर भी करवा लिया। पेपर पर क्या लिखा था, वह पढ़ नहीं पाया। डर के चलते उसने इस संबंध में किसी से बात नहीं की। अब लग रहा है कि उसे और उसके परिवार को खतरा है। बहुत हिम्मत करके कई दिनों बाद आकर शिकायत की। पूरामुफ्ती थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। पिछले सात 28 मई को रामजीवन ने पूरामुफ्ती में मुजफ्फर, अकरम, अशरफ समेत सातों भाइयों पर एक करोड़ रंगदारी मांगने समेत अन्य आरोपों में केस दर्ज कराया था। इस केस में जावेद, असलम व आजम को छोड़कर अन्य सभी आरोपियों को कोर्ट से राहत मिली है। एक महीने पहले इस मामले में कोर्ट ने फरार आरोपियों के खिलाफ कुर्की का नोटिस जारी किया था। यही नहीं, करीब हफ्ते भर पहले कोर्ट के आदेश की अवमानना के आरोप में भी तीनों पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब जल्द ही कुर्की की कार्रवाई के लिए कोर्ट से अनुमति मांगी जाएगी।

मुबस्सिर ने किया प्रयागराज का प्रतिनिधित्व

फूलपुर। एनसीईआरटी एवं सीआईटीटी के तत्वावधान में आयोजित शिक्षक कवि सम्मेलन में फूलपुर के मुबस्सिर ने जनपद प्रयागराज का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्यागिकी संस्थान व राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद में डिजिटल शिक्षा में राजभाषा हिन्दी का बढ़ता प्रभाव व हिन्दी पखवाड़ा शिक्षक कवि सम्मेलन का दो दिवसीय कार्यशाला 26 व 27 सितंबर को आयोजित किया गया। जिसमें फूलपुर नगर पंचायत के कैथाना मोहल्ला निवासी व राज्य शिक्षा संस्थान प्रयागराज के प्रवक्ता मो.मुबस्सिर ने प्रयागराज का प्रतिनिधित्व किया। बाद में उन्हें डा. अमरेन्द्र प्रसाद बेहेरा संयुक्त निदेशक सीटीईटी व जगदीश राजपोरी निदेशक राजभाषा हिन्दी गृह मंत्रालय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मो.मुबस्सिर के पढ़े गए शेर दिल्ली दिल है भारत का तो जान है अपनी हिंदी। मत भूलो भारत वालों पहचान है अपनी हिंदी और पढ़े लिखे हैं बुलंदी की बात करते हैं। दुल्हन के माथे की बिंदी की बात करते हैं। खूब सराहे गए।

रेलवे अस्पताल में सफल ऑपरेशन से अर्जुन को मिली जिंदगी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के केंद्रीय अस्पताल में अर्जुन लाल के अम्बिलिकल हर्निया का सफल इलाज कर उन्हें नया जीवन प्राप्त हुआ। सीनियर डीएमओ डॉ. संजय कुमार ने बताया कि 71 वर्षीय मरीज अर्जुन बीते 4 वर्षों से अम्बिलिकल हर्निया से पीड़ित थे लेकिन हार्निया का साइज बड़ा होने के चलते पेट की मांसपेशियों में बड़ा गैप था। बहुत ही छोटे चीरे से पेट की दीवारों के मांस की मदद से पुनः निर्माण किया और ऑपरेशन के तीन दिन बाद ही मरीज चलने में सक्षम हो गया।

श्रीरंग पांडे की पुस्तक मध्यस्थता प्र ति प्रक्रिया एवं प्रयोग का हुआ लोकार्पण

प्रयागराज । श्रीरंग पाण्डेय एडवोकेट मीडिएटर द्वारा लिखित पुस्तक . श्मध्यस्थताः प्रकृति प्रक्रिया एवं प्रयोग श का लोकार्पण

करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति द्वय श्री गौतम चौध ारी एवं शेखर कुमार यादव। इस पुस्तक की भूमिका श्री अशोक मेहता अपर महाधिवक्ता उत्तर प्रदेश सरकार ने लिखी है तथा शुभकामना संदेश न्यायमूर्ति श्री गौतम चौधरी तथा न्यायमूर्ति श्री सौरभ श्रीवास्तव तथा न्यायमूर्ति श्री सुनीत कुमार पूर्व चेयरमैन इलाहाबाद उच्च न्यायालय मध्यस्थता तथा सुलह समझौता केन्द्र प्रयागराज ने दिया है । आवरण संदेश श्री शिव कुमार पाल पूर्व अपर महाधिवक्ता एवं पूर्व शासकीय अधिवक्ता ने दिया है ।

चूम लिया फाँसी का फंदा.... भगत सिंह का लक्ष्य ब्रिटिश हुकूमत का अंत करना था -डॉ0 शाहिदा

प्रतापगढ़। सअमर क्रांतिकारी शहीद– ए –आजम भगत सिंह का 117वाँ जन्म दिवस एंजिल्स इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ के सभागार में मनाया गया स कार्यक्रम की आयोजिका प्रबंधक डॉ0शाहिदा रहीं स सर्वप्रथम उपस्थित देशप्रेमियों ने देश के अमर सपूत शहीद भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके नमन किया स इस पुनीत पर्व पर डॉ0शाहिदा ने कहा कि मात्र तेइस साल की भरी जवानी में प्राणों की आहुति देकर भगत सिंह ने क्रांति की जो मशाल जगाई उसे युगों– युगों

तक याद किया जाएगा स उन्होंने आगे कहा कि भगत सिंह का लक्ष्य ब्रिटिश शासन का अंत करना था स इस मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम कुमार त्रिपाठी श्प्रेमश ने भगत सिंह को याद करते हुए पढ़ा– चूम लिया फांसी का फंदा, भारत माता की जय बोल स अमर हो गया वीर बांकुरा,आजादी का ताला खोल स स अखिल नारायण सिंह ने कहा कि भगत सिंह के जज्बे से अंग्रेज थर्राते थे स भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों की बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैंस विद्यालय की शिक्षिका मीनाक्षी ओझा ने कहा कि शहीद भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों को हर स्तर के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए स कार्यक्रम में वीना मिश्रा चंचल पांडे पूनम पांडे माधुरी त्रिपाठी सीमा श्रीवास्तव रुचि सिंह सुनीता पाल साधना श्रीवास्तव प्रिया श्रीवास्तव सुरभि मिश्रा शिखा शुक्ला ज्योति सोनी समीक्षा सिंह दिव्या यादव स्वस्तिका सोनी प्रियंका पांडे एकता सिंह नैंसी यासमीन इत्यादि शिक्षिकाओं की गरिमामय उपस्थिति रही

शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न..

शिलांग शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी डॉ अनिता पंडा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि शशिबिंदु नारायण मिश्र, गोरखपुर से और अति विशिष्ठ अतिथि नवीन कुमार राणा, गुरुग्राम से जुड़े। यह काव्य गोष्ठी 15 अगस्त, शाम 7 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक चली। जिसका शुभारंभ इकाई की अध्यक्षता कर रही अनिता पंडा की गणेश वंदना और मल्लिका डे की सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति के साथ की गई। काव्यगोष्ठी का कुशल संचालन नीता शर्मा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, दया शर्मा, नीता शर्मा, मल्लिका दे विष्णु, सुनीता भट्ट ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। अतिथियों ने भी अपनी सुंदर रचनाओं द्वारा सबका मन मोह लिया। मुख्यातिथि शशिबिंदु नारायण ने सभी कवयित्रियों की रचनाओं की समीक्षा कर सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में मल्लिका दे विष्णु ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

अब खतरे से बाहर मुशीर खान, मेडिकल बुलेटिन जारी

लखनऊ,(एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान के छोटे भाई मुंबई के ऑलराउंडर मुशीर खान की लखनऊ के बाहरी इलाके में हुई सड़क दुर्घटना के बाद हालत अब स्थिर है, लेकिन वह आगामी ईरानी कप से शुरू होने वाले क्रिकेट सत्र से लेकर लंबे समय तक क्रिकेट नहीं खेल पायेंगे। मुशीर (19 साल) के गर्दन में चोट लगी है, जिसके कारण उनके कम से कम तीन महीने तक क्रिकेट से बाहर रहने की संभावना है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा के लिए सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

क्र.सं.। 1	ई टेंडर निविदा सूचना संख्या: GEM/2024/B/5438662 Dated 25.09.2024

कार्य का नाम: कुंभ मेला 2025 की अवधि के दौरान प्रयागराज, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, झिंझाखल और संगम मेला क्षेत्र में बेड, गद्दे, चादर, कवर सहित तकिया, कवर सहित कंबल / रजाई की आपूर्ति और आपूर्ति की गई सामग्री के लिए धुलाई कार्य और बिस्तर तैयार करने के कार्यों के लिए निविदा

निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम	ठेके की अवधि : कुंभ मेला अवधि (49 दिन)
कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित) : ₹ 3719108.36	
धरोहर राशि : ₹ 74400.00	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 22.10.2024 15:00
निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 22.10.2024 15:30	

नोट:1. उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरो को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये । 3. संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 4. ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निशुल्क जारी किये जायेगें। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 1705/24(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह में कवियों ने तालियां बटोरी

कानपुर।लघु शस्त्र निर्माणी कालपी रोड की राजभाषा समिति द्वारा राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह का भव्य आयोजन मनोरंजन सभागार में शनिवार 28सितंबर 2024को संपन्न किया। इस अवसर पर हुए कविसम्मेलन में नवगीतकार जयराम जय ,ने आज की सामाजिक परिस्थितियों पर मुक्तकः जब से पत्थर का चलन होने लगा है

पत्थरों के हर किसी के घर हुए ।

साथ में पत्थर के रहने का असर

दिल भी लोगों के यहां पत्थर हुए।।

व नवगीत

गांवों की चौपालों ने बतियाना छोड़ दिया

इसीलिए तो खुशियों ने मुस्काना छोड़ दिया

सुनाकर तालियां बटोरी।

वहीं जसप्रीत सिंह कानपुरी की गजल

अब जमाना नहीं है ऐतबार का।

सच लिखें कोई ऐसी अखबार का।।

दिल में छिपे गुनाह जो दिखते नहीं,

चेहरों पर हंसी छुपे गुबार का।।

को बड़ी संजीदगी से सुनी गई।

वहीं आंचलिक भाषा के सुमध ुर गीतकार की ओज की कविता

मेरे छांव में मुझको ही,

सलामी कौन लिखेगा।

खून से लतफत सरहद पे,

जवानी कौन लिखेगा।।

श्रोताओ के जोश भर दिया।

निर्माणी के राजभाषा प्रभारी तरुण कुमार कुलश्रेष्ठ

की भाव प्रवण कवितारू

तकिए के नीचे दबा कर रखे हैं,तेरे सिर्फ तेरे ख्याल।

एक तस्वीर थोड़ी सी मोहब्बत,और बहुत सारे साल।।

खूब सराही गई।

हास्य व्यंग के कवि राजेन्द्र अवस्थी ने देश में एक दिन हिन्दी दिवस मनाये जाने पर पंक्तियां

दिन एक हिंदी वाला चौदा सितंम्बर है,

अंग्रेजी तो बर्थ डे रोज ही मनाती है।

भाषा तो प्रतीक है संस्कृति सम्मान की,

हिंदी हमे याद किंतु वार्षिक ही आती है।।

सुनाकर वाहवाही लूटी

वहीं प्रेम के कवि

डॉ .ओम प्रकाश ओम

के मुक्तक भी मनोयोग से सुने गये।

इस तरह नवगीतकार जयराम जय,ओमप्रकाश ओम,

तरुण कुमार कुलश्रेष्ठ ,जसप्रीत सिंह, दिनेश नीरज व राजेंद्र अवस्थी ने गीत,गजल,छंद नवगीत व व्यंग्य सुनाकर श्रोताओं की तालियां बटोरी। इस अवसर पर निर्माणी की वार्षिक पत्रिका आग्नेय के 33 वें अंक का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया, तथा राजभाषा प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभगियो को समारोह के मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक राजीव शर्मा के साथ सुरेंद्र पति महा प्रबंधक,आलोक वाजपेई महा प्रबंधक व आशीष कुमार मिश्रा राजभाषा अधिकारी ने प्रतीक चिह्न,सर्टीफिकेट आदि प्रदान कर सम्मानित किया।विषय प्रवर्तन कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक तरुण कुलश्रेष्ठ ने तथा संचालन दिनेश नीरज व ओमप्रकाश ओम ने संयुक्त रूप से किया।प्रियंका ओझा,संजय त्रिपाठी,मुकेश कुमार सिंह,सर्वेश शुक्ला,रमाकांत यादव आदि विशेष रूप से रहे।राजभाषा विभाग की श्रीमती राजकुमारी ने आगतों को धन्यवाद दिया।

पेट्रोल–डीजल के दाम नीचे लाओ, टोल टेक्स बढ़ाने से बाज आओ : डा. गिरीश

लखनऊ,(एजेंसी)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डा.गिरीश ने कच्चे तेल के दामों में भारी कमी के बावजूद पेट्रोल–डीजल की कीमतों को कम न करने और फिर से टोल टेक्स बढ़ाने की सरकार की योजना को महंगाई बढ़ाने वाले विकास विरोधी कदम बताते हुये निम्न प्रेस नोट जारी किया है। कच्चे तेल के दामों में उल्लेखनीय कमी होने के बावजूद पेट्रोल और डीजल के दामों में कमी न करना और पहले से ही ऊंचे टोल टेक्स को फिर से बढ़ाने का इरादा आम और मेहनतकश जनता को आर्थिक रूपसे जर्जर तो बना ही रहे हैं ये विकास विरोधी और महंगाई बढ़ाने वाले भी हैं। आम जनता, मेहनतकश समुदाय और सभी शोषित वंचितों मे हितों की पहरेदार होने के नाते भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी केंद्र सरकार से मांग करती है कि वह पेट्रोल– डीजल के दामों में तत्काल पर्याप्त कमी लाये और फिर से तोलटेक्स बढ़ाने की योजना को रद्द करे। वरना महंगाई और बढ़ेगी, विकास दर में कमी आएगी तथा बहुसंख्य जनता के जीवन– स्तर में भारी गिरावट आएगी।एक सर्वे एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार इन दिनों कच्चे तेल के दाम 84 डालर प्रति बेरल से घाट कर 71.31 डालर प्रति बेरल हो गए हैं। यानी कि कच्चे तेल की कीमतों में 12 प्रतिशत की कमी आयी है। परिणामस्वरूप मार्च से लेकर अब तक पेट्रोल कंपनियों का मुनाफा पेट्रोल पर 15 रुपए लीटर हो गया है तो डीजल पर 12 रुपये बढ़ चुका है। इस्स सरकार को 60,000 करोड़ रुपए बच सकते हैं। मगर इसका कोई लाभ ग्राहकों को नहीं दिया गया है। पेट्रोल डीजल के दामों में कमी के बावजूद फिर से टोल टेक्स बढ़ाने की साजिश रची जा रही है। वह भी तब जब देश और प्रदेश के एक्सप्रेसवे और हाइवे मानकों के अनुरूप नहीं हैं और उनमें आए दिन दरारें और खाइयाँ बनने की खबरें मिलती रहती हैं। मुरादाबाद– आगरा हाइवे तो सिर्फ नाम का हाईवे है, फिर भी उस पर टोल टेक्स बसूला जा रहा है। वैसे तो वाहनों और ईंधन पर दर्जन भर टेक्स बसूल कर उस धन से बनाई जाने वाली सड़कों पर टोल टेक्स बसूलने जी अवधारणा ही गलत है, फिर भी सरकार इसे निरंतर बढ़ाए जा रही है।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राय है कि पेट्रोल डीजल के महंगे होने से पर्यटन सहित समस्त उद्योगों पर भारी असर पड़ता है, महंगाई बढ़ती है, विकास दर घटती है तथा जनता का जीवन स्तर घटता है। और भाजपा सरकार चाहती भी ऐसा ही है। धर्म के नाम पर पाखंड और जातीय मतभेदों में फांसी जनता इन मुद्दों पर प्रतिरोध नहीं कर पा रही अतएव सरकार मनमानी पर उतारू है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सरकार से पुरजोर तरीके से मांग करती है कि पेट्रोल डीजल के दामों में तत्काल कमी लायी जाये तथा टोल टेक्स बढ़ाने की योजना को रद्द किया जाये। प्रतिरोध ा की आवाज जनता और जनहितेशी शक्तियों की ओर से उथनी ही चाहिए।

प्रधानमंत्री सिर्फ चंद उद्योगपतियों के लिए काम कर रहे हैं : सुनील सिंह साजन

लखनऊ,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के एक बयान का समर्थन करते हुए समाजवादी पार्टी के नेता सुनील सिंह साजन ने शनिवार कोकहा, राहुल गांधी सही कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मॉडल में रोजगार खत्म हो गया है। साजन बोले, छोटे–छोटे व्यापारी खत्म हो गए हैं। प्रधानमंत्री सिर्फ चंद उद्योगपतियों के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन, अपनी चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि वह राष्ट्र के लिए जी रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री राष्ट्र के लिए जी रहे होते तो उन्हें रोजगार, महंगाई, किसान, महिला, मणिपुर और सीमा की चिंता होती। लेकिन, प्रधानमंत्री को चिंता नहीं है। वह बस चंद लोगों की चिंता करने वाले प्रधानमंत्री हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि किसान आंदोलन में प्रदर्शन करने वाले मुखौटा पहने आए थे। इस सवाल के जवाब में सपा नेता ने कहा, मनोहर लाल हों या फिर कंगना रनौत। यह एक सोच को मानने वाले लोग हैं। आरएसएस जब अपनी बात सीधे तौर पर नहीं कह पाती है तो इनके माध्यमों से कहलाया जाता है। भाजपा और आरएसएस मानती है कि देश का किसान देशद्रोही है। देश को चलाने वाले किसानों से भाजपा नफरत करती है, क्योंकि किसान इन्हें समय–समय पर सबक सिखाते हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है गिड़गिड़ाने से अपराधियों पर एक्शन नहीं रुकेगा। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, केशव प्रसाद मौर्य खुद दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं। वह जो सपना देख रहे हैं, वो पूरा नहीं होने वाला है। भूपेंद्र चौधरी के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने अखिलेश यादव पर नफरत फैला कर सुर्खियां बटोरने का आरोप लगाया है। इस सवाल के जवाब में सपा नेता ने कहा,अखिलेश यादव संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए काम कर रहे हैं। दलित–पिछड़ों के आरक्षण को भाजपा छीनना चाहती है। लेकिन, अखिलेश यादव प्रयास कर रहे हैं कि दलितों–पिछड़ों का आरक्षण नहीं छीना जाए। आरक्षण छीन कर भाजपा के लोग कुर्सी पर नहीं बैठ सकते हैं। लोगों ने मन बना लिया है कि भाजपा की सरकार को उत्तर प्रदेश से हटाना है।

तालाब की जमीन पर विधायक ने बनवा लिया मकान

एसडीएम की जांच में हुआ खुलासा

लखनऊ,(एजेंसी)। किशोरी को आत्महत्या के लिए उकसाने व बाल श्रम के मामले में जेल में निरूद्ध सपा विधायक जाहिद जमाल बेग की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भदोही के मालिकाना मोहल्ले में स्थित सपा विधायक का आलीशान मकान तालाब की मकान पर बना है। जिलाधिकारी की जांच के बाद प्रकरण संज्ञान में आया है। मकान निजी तालाब पर है। जिलाधिकारी विशाल सिंह ने कहा कि मामला न्यायिक प्रक्रिया में है, जो भी चीजें सामने आएंगी उसके अनुसार कार्रवाई होगी। भदोही के मालिकाना मोहल्ले में स्थित जाहिद जमाल बेग के तीन मंजिला आवास की तीसरी मंजिल के कमरे में 17 वर्षीय किशोरी ने आठ सितंबर की रात फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली थी। किशोरी के आत्महत्या के बाद से ही सपा विधायक व उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ती गई। पहले विध ायक पति–पत्नी सीमा बेग पर बाल श्रम व किशोरी को आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ। उसके बाद बेटे जईम बेग पर भी मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। सपा विधायक जाहिद बेग इस समय नैनी और उनका बेटा बनारस की जेल में बंद हैं। अब उनके तीन मंजिला आलीशान मकान पर भी खतरा मंडराने लगा है। विधायक के मालिकाना मोहल्ले स्थित तीन मंजिला मकान पर को लेकर शिकायत की गई थी कि विधायक का आवास तालाब पर है। शिकायत को संज्ञान में लेकर जिलाधिकारी ने एसडीएम भदोही भान सिंह ने जांच कराई। जांच में यह प्रकारण संज्ञान मेंआया कि विधायक आवास निजी तालाब पर स्थित है। जिलाधि ाकारी विशाल सिंह ने बताया कि जिस इलाके में सपा विधायक का मकान है। उस क्षेत्र में जमींदारी इवोल्यूशन लागू नहीं है। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि किसी निजी व्यक्ति के नाम पर पहले वहां तालाब था, जहां पर अब विधायक का मकान बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में दूसरे दिन भी रुक–रुककर बारिश जारी

लखनऊ,(एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में दो दिनों से रुक–रुककर बारिश हो रही है। सुबह कई इलाकों में बारिश हुई। कहीं तेज तो कहीं सिर्फ फुहारें पड़ीं। दोपहर होते–होते हल्की धूप निकली और बादल कुछ छंट गए। दोपहर बाद फिर से रिमझिम बारिश होने लगी। ठंडी हवाओं से मौसम खुशनुमा हो गया। कई इलाकों में जलभराव हुआ और नालियां–नाले भी चोक हो गए। मौसम विभाग ने आज और कल दोनों दिन बारिश का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ में पिछले 24 घंटे में 10. 5 एमएम बारिश हुई है। पूरे महीने की बात करें तो मानसून में औसत से 4 एमएम कम बारिश हुई है। अगस्त में औसत से ज्यादा बारिश हुई, जबकि जून–जुलाई में मानसून औसत से दोगुना ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के मुताबिक तापमान में 8 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है। आज और कल तापमान में गिरावट होगी। रविवार का तापमान अधिकतम 29 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

हेलमेट चोरी की रिपोर्ट नहीं दर्ज की पुलिस तो अधिवक्ता ने खटखटाया अदालत का दरवाजा,प्राथमिकी दर्ज

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने आखिरकार अदालत के आदेश पर एक अधिवक्ता के हेलमेट चोरी का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। हजरतगंज कोतवाली थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विक्रम सिंह ने शनिवार को बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 305 (आवास या परिवहन के साधन या पूजा स्थल आदि में चोरी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सिंह ने कहा कि अदालत के आदेश के बाद प्राथमिकी दर्ज की गयी है। राज्य की राजधानी के मध य में स्थित जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) के परिसर में 17 अगस्त को 33 वर्षीय अधिवक्ता प्रेम प्रकाश पांडेय का काले रंग का हेलमेट चोरी हो गया था। पांडेय के अनुसार पुलिस ने हेलमेट चोरी का मामला दर्ज नहीं किया, जिसकी वजह से उन्हें प्राथमिकी दर्ज करवाने के लिए अदालत का रुख करना पड़ा। उन्होंने कहा कि आखिरकार, 26 सितंबर (बृहस्पतिवार) को पुलिस ने इस संबंध में हजरतगंज थाने में दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया। पांडेय ने शनिवार को एक न्यूज एजेंसी से कहा कि उनका हेलमेट लखनऊ जीपीओ के ए5 और ए6 काउंटर के बीच से चोरी हुआ था। उन्होंने कहा कि हेलमेट एक साल से ज्यादा पुराना है और उन्होंने न तो किसी खास मौके पर वह हेलमेट खरीदा था और न ही किसी ने उन्हें वह उपहार में दिया था, लेकिन (राज्य की राजधानी में) सरकारी दफ्तर के अंदर से हेलमेट चोरी होना निश्चित रूप से एक गंभीर मुद्दा है। पांडे को चोरी हुए हेलमेट की कीमत याद नहीं है। उन्होंने कहा कि 10–15 दिन पहले उन्होंने नया हेलमेट खरीद लिया है। पांडे ने कहा, मैं व्यवस्था से परेशान हूं और मुझे मजबूरन अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। हेलमेट चोरी होने से मैं आहत नहीं हूं, लेकिन सिस्टम की ओर से की गई देरी ने मुझे आहत किया है।

परिवहन विभाग में 53 अफसरों पर एक्शन, मचा हड़कंप

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के परिवहन विभाग में काम करने वाले अधिकारियों पर योगी सरकार ने बड़ी कार्रवाई की हैं। योगी सरकार ने 53 जिलों के एआरटीओ प्रवर्तन के खिलाफ एक्शन लिया है,जिससे परिवहन विभाग में हड़कंप मच गया हैं। अपर परिवहन आयुक्त प्रवर्तन एके सिंह के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024–25 में 1 जुलाई 2024 से 31 अगस्त 2024 तक प्रशमन शुल्क के निर्धारित लक्ष्य को प्रदेश के 53 जिलों में प्राप्त नहीं किया जा सका हैं जिसके कारण कार्रवाई हुई हैं। सरकार के आदेश के बाद इन अधिकारियों के सितंबर महीने का वेतन रोक दिया गया हैं। एआरटीओ प्रवर्तन का सितंबर महीने का वेतन रोके जाने का निर्णय मुख्यालय स्तर से लिया गया है,जिससे अधिकारियों की परेशानी बढ़ गई हैं। अपर परिवहन आयुक्त ने बताया कि शासन और मुख्यालय के आदेश के बावजूद फील्ड में तैनात प्रवर्तन अधिकारी अपने जिलों में प्रशमन शुल्क प्राप्ति में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जो शासन और मुख्यालय के निर्देशों की अवहेलना है। इसके कारण इनका वेतन रोक दिया गया है।

रिटायर्ड आईएएस के साथ लूट, छीना झपटी में जमीन पर गिरेय कंधा फ्रैक्चर हुआ

लखनऊ,(एजेंसी)। राजधानी लखनऊ के विकास नगर सेक्टर–3 इलाके में टहलने निकले पूर्व आईएएस के साथ लूट हुई। बाइक सवार लुटेरों ने विरोध करने पर धक्का दे दिया, जिससे वो जमीन पर गिर गए। कंधा फ्रेक्चर हो गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक विकास नगर इलाके में रहने वाले प्रेम नारायण द्विवेदी रिटायर्ड आईएएस हैं। शुक्रवार रात घर के पास ही टहलने निकले थे। तभी करीब 10 बजे बाइक से दो लुटेरे आए और छीना झपटी करने लगे। जिसका प्रेम नारायण ने विरोध किया तो उन्हें धक्का दे दिया। बदमाशों के धक्के से प्रेम नारायण द्विवेदी जमीन पर गिर गए। शोर–शराबा सुनकर आसपास भीड़ जुटने लगी। तभी मौका देखकर लुटेरे भाग निकले। जमीन पर गिरने से उनके कंधे फ्रैक्चर हो गया है। परिजनों ने प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराया है। मामले में विकास नगर इंस्पेक्टर का कहना है, कि शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। संदिग्ध लुटेरों की तलाश में घटनास्थल के आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में सदस्यता एवं संकल्प कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ,(एजेंसी)। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में आज सदस्यता एवं संकल्प कार्यक्रम का आयोजन हुआ! पार्टी कार्यालय में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री त्रिलोक त्यागी ने कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को राजनीति में आना चाहिए ! प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोथित करते हुए श्री त्यागी ने कहा कि हम एनडए की सरकार में शामिल है! पहले हम सड़क पर आंदोलन करते थे अब सरकार में रहकर काम कर रहे है! महाराष्ट्र,झारखंड,उत्तराखंड,दिल्ली में हमारा संगठन तैयार हो रहा है! हम लोगो को पूरे प्रदेश में जागृत कर रहे है, हम कश्मीर में चुनाव लड़ रहे है! हमने उत्तरप्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है, मानसून में ओलावृष्टि से जो किसानों को नुकसान हुआ है उन्हें मुआवजा दिया जाए!

सम्पादकीय.....

दर्द बांटती दवा

यह खबर परेशान करने वाली है कि बुखार, दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि से मुक्ति दिलाने का दावा करने वाली 53 दवाइयां जांच में गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। देश में धड़ल्ले से इस्तेमाल होने वाली पैरासिटामोल भी इन दवाओं में शुमार है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। केंद्रीय औषधि नियामक ने गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी की है। आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध–अनुसंधान की जरूरत है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से गुरेज करती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। विडंबना देखिए कि लोगों द्वारा आमतौर पर ली जाने वाली पैरासिटामोल भी जांच में फेल पायी गई। आम धारणा रही है कि गाहे–बगाहे होने वाले बुखार–दर्द आदि में इस दवा का लेना फायदेमंद होता है। निश्चय ही केंद्रीय औषधि नियामक की गुणवत्तारहित दवाओं की सूची में इसके शामिल होने से लोगों के इस विश्वास को ठेस पहुंचेगी। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये दुखी मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन यानी सीडीएससीओ ने हालिया मासिक रिपोर्ट में जिन गुणवत्ता रहित दवाओं का उल्लेख किया है, उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। जिन्हें बड़ी कंपनियों के नाम से बेचा जा रहा है। इससे उन मरीजों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ जाएंगी जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन–डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन–सी, एंटी–एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। बताते हैं कि फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। यद्यपि सीडीएससीओ ने 53 दवाओं की गुणवत्ता की जांच की थी,लेकिन 48 दवाओं की सूची ही अंतिम रूप से जारी की गई। वजह यह बतायी जा रही है कि सूची में शामिल पांच दवाइयां बनाने वाली कंपनियों के दावे के मुताबिक, ये दवाइयों उनकी कंपनी की नहीं हैं वरन बाजार में उनके उत्पाद के नाम से नकली दवाइयां बेची जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए।

क्यों जरूरी हुआ बच्चों को सोशल मीडिया से दूर करने का

आर.के. सिन्हा

> *वहां पर 14 से 16 साल के बच्चों तक को सोशल मीडिया से दूर रखा जा सकता है। इसका उद्देश्य बच्चों को डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक समय बिताने की बजाय खेल कूद के मैदान से जोड़ना है। क्या इस तरह का कोई कदम भारत में नहीं उठाया जाना चाहिए ?*

अगर आप अपने आसपास किसी भी उम्र के इंसान से अनौपचारिक बात कर लें, तब आपको पता चल जाएगा कि आज के समय सोशल मीडिया का लत हमारे सारे समाज को दीमक की तरह खा रहा है। इसकी गिरफ्त में नादान बच्चे खासतौर पर आ चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया सोशल मीडिया के उपयोग के लिए न्यूनतम आयु सीमा लागू करने पर विचार कर रहा है। वहां पर 14 से 16 साल के बच्चों तक को सोशल मीडिया से दूर रखा जा सकता है। इसका उद्देश्य बच्चों को डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक समय बिताने की बजाय खेल कूद के मैदान से जोड़ना है। क्या इस तरह का कोई कदम भारत में नहीं उठाया जाना चाहिए ? यह जानने के लिए रॉकेट साइंट पढ़ने की जरूरत नहीं है कि सोशल मीडिया ने हमारे अपने देश में बच्चों को खेलों के मैदानों और अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों तक से भी दूर कर दिया है। आप अपने घर और आसपास के बच्चों को देख लें। वे फेसबुक,व्हाटअप, इंस्टा आदि से चिपके रहते हैं। आप देश के किसी भी शहर के किसी स्टेडियम में चले जाइये। वहां पर बुजुर्ग सैर करते हुए तो मिल जाएँगे पर आपको बच्चे बहुत ही कम संख्या में खेलते हुए मिलेंगे। हालांकि आज से बीसेक साल पहले तक राजधानी दिल्ली से लेकर छोटे शहरों के सारे मैदानों में बच्चे खेलते–कूदते नजर आ जाते थे। राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, तालकटोरा स्टेडियम, नेशनल स्टेडियम और दूसरे मैदानों में बच्चे प्रैक्टिस करते हुए खूब पसीना बहाते थे। वह अपने कोचों की देखरेख में प्रेक्टिस कर रहे होते थे। पर पिछले कुछ वर्षों से देख लें क्या हो गया है बच्चों।का हाल। जब बच्चे खेलेंगे ही नहीं तो देश को ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक कहां से मिलेंगे? क्या कोई हमें पदक मुफ्त में ही दे देगा? चीन में भी नाबालिगों के सोशल मीडिया के उपयोग पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कानूनी रूप से रोक लगा दी गई है। यह सही है कि आज के समय में सोशल मीडिया हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। लेकिन, इसका अंधाधुंध इस्तेमाल, खासकर बच्चों के लिए, बहुत खतरनाक साबित हो रहा है। सोशल मीडिया से बच्चे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शोषण, और अनेकों प्रकार के व्यसनों का शिकार हो रहे हैं। इसलिए, बच्चों को इन दुष्प्रभावों से बचाना हमारी अहम जिम्मेदारी हो गई है। बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए कुछ जरूरी कदम तो उठाने ही होंगे। उदाहरण के रूप में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की उम्र सीमा का पालन हो और बच्चों को उचित आयु तक इन प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से रोका जाए। बच्चों के लिए उचित आयु सीमा वाले विशेष ऐप्स और वेबसाइटों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना भी जरूरी है। मैं मानता हूं कि समय आ गया है कि माता–पिता और स्कूल के अध्यापकों को बच्चों से सोशल मीडिया के बारे में नियमित रूप से खुली बातचीत करें ।उन्हें इसके फायदे और नुकसान दोनों के बारे में बताया जाये। हमें बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के बारे में भी लगातार प्यार से पूछताछ करनी चाहिए। उन्हें खेलों के अलावा संगीत, नृत्य या किसी अन्य मनोरंजक गतिविधियों से जोड़ा जा सकता है। नोएडा में भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी अनादि बरूआ बच्चों को फुटबॉल की कोचिंग देते हैं। इसी तरह से साउथ दिल्ली में मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी और बैडमिंटन रैफरी तुलसी दुरेजा बच्चों को बैडमिंटन के गुर बताते–सिखाते हैं। अनादि बरूआ और तुलसी दुरेजा जैसे पूर्व खिलाड़ी देश के सभी छोटे–बड़े शहरों में कोचिंग दे रहे हैं। यह बहुत मामूली सी फीस लेते हैं। माता–पिता को चाहिए कि वह इस तरह के नामी खिलाड़ियों के पास अपने बच्चों को ले जाएं। जाहिर है कि जब बच्चे खेलेंगे तो उनके पास सोशल मीडिया के लिए वक्त ही नहीं बचेगा। बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना एक कठिन काम हो सकता है, लेकिन यह उनके कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। मैं मानता हूं कि अगर परिवार के सदस्य पहले की तरह एक साथ खाने, खेलने और बातचीत में समय व्यतीत करें तो भी सोशल मीडिया से दूरी बनाई जा सकती है। याद करें उस दौर की जब सारा परिवार घर के मुखिया के साथ सुबह–शाम को साथ बैठकर भोजन करता था। अब कितने परिवारों में भोजन सब मिल–बैठकर साथ–साथ करते हैं। अब तो परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए भोजन भी अलग– अलग तरह का पक रहा होता है।

हमारी विदेश नीति पर गंभीर सवाल

अरविन्द मोहन

यह सही है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में वामपंथी और उग्र राष्ट्रवाद के नाम पर भारत के खिलाफ आग उगलने वाले अनुरा दिसानायके के जीतने की संभावनाएं साफ होने के साथ ही भारत सरकार ने उन्हें दिल्ली आने का न्यौता दिया था और तब विदेश मंत्री जयशंकर समेत कई प्रमुख लोगों के साथ उनकी बातचीत हुई थी। लेकिन इसी बातचीत से उनके तेवर बदले और चुनाव में उन्होंने जनता विमुक्ति पेरामुना वाले पुराने तेवर बदले और कुछ नई बातें कहीं यह दावा नहीं किया जा सकता। भारत ने श्रीलंका के सबसे भीषण आर्थिक संकट के समय 2020 में जो आर्थिक मदद दी थी उससे श्रीलंकाई लोगों के बीच भारत का गुडविल काफी अच्छा है। और फिर भारत ने चीन की तरह श्रीलंका को मदद के नाम पर उसका कोई सैनिक बंदरगाह नहीं हथियाया। लेकिन अनुरा ने चीन समर्थन और भारत के सहयोग से चलाने वाली अकी योजनाओं और संधियों का विरोध जारी रखा। अभी भी अदानी समूह वहां एक विशाल सोलर पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। अनुरा के आने से उस पर संकट के बादल न भी लटके हों पर कई तरह के संशय तो पैदा हो ही गए हैं। अनुरा इस बिजली परियोजना की संधि को रद्द करने की बात करते रहे हैं। जैसा पहले कहा गया है अनुरा दिसानायके की जीत की संभावना काफी समय से दिखने लगी थी। जनता दो मुख्य पार्टियों की सरकारों की विफलता के बाद सदा हाशिए पर रही इस कम्युनिष्ट पार्टी को जिताने के मूड में आ गई थी क्योंकि अनुरा की जनोन्मुख राजनीति और आर्थिक नीतियों की बातें उनको लुभा रही थी। इस बीच अनुरा और उनकी पार्टी ने अपना कम्युनिस्ट चोगा भी उतारा और वाम रुझान भर की बातें करने लगे थे। उनका चीन प्रेम किसी से छुपा नहीं है और चुनाव जीतकर भी उन्होंने जो बदला तेवर दिखाया उसमें भारत से बिगाड़ की बात न थी लेकिन चीन से प्रेम की बात थी। यह उल्लेखनीय है कि श्रीलंका के सारे बंदरगाहों के कामकाज में भारत का समर्थन उपयोगी रहा है और यही कारण है कि पिछली सरकार ने अदानी समूह और अमेरिका के सरकारी अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त निगम के साथ मिलकर 55.3 करोड़ डालर की विकास परियोजना शुरू की थी। अनुरा इसे भी बंद कराने की धमकी देते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जब यह समझौता होने को था तब नई दिल्ली में तैनात एक श्रीलंकाई राजनयिक ने खबर फैलाई कि इसमे अदाली समूह को शामिल करने का दबाव था तो उनको तुरंत दिल्ली से वापस बुलाया लिया गया। अब वे किस दिशा में बढ़ते हैं इस पर सबकी नजर होगी। वैसे वे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा दी गई सशर्त सहायता पर भी पुनर्विचार करने की बात कर रहे हैं। अब यह अलग बात है कि अनुरा ने अभी राष्ट्रपति का चुनाव जीता है और श्रीलंकाई शासन व्यवस्था के हिसाब से संसद का चुनाव और प्रधानमंत्री की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। संभव है वे जल्दी से संसद भंग कराके नए चुनाव की पहल करें लेकिन अभी भी उनकी नेशनल पीपुल्स पार्टी आसानी से चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं लगती। पर अब यह श्रीलंकाई सरकार नई होगी और अनुरा सबसे प्रभावी तो रहेंगे ही। इसमें वे पुराने अनुभवों और भौगोलिक बाध्यताओं के चलते अपने भारत विरोधी तेवर में कुछ कमी लाएं लेकिन यह चीन के प्रति झुकी सरकार होगी। श्रीलंका से भी ज्यादा गहरे जुड़ाव वाले देश नेपाल में हुआ सत्ता परिवर्त्तन भी चीन के ज्यादा अनुकूल है। भारत से रिश्ते बिगाड़ने में अनुभवी के पी ओली की अगुवाई वाली सरकार वहां है। और भारत ने लगातार नेपाल को लेकर जो नीतियां चलाई हैं उनसे नेपाल निरंतर हमसे दूर हुआ है। पिछले चार साल से भारतीय सेना में गुरखा जवानों की भर्ती रुकी पड़ी है जबकि वे हमारी सेना का अभिन्न अंग माने जाते हैं. और फौज के जवान और अवकाशप्राप्त हजारों जवान और उनके परिवार जमीनी स्तर पर भारत–नेपाल रिश्तों की जड़ें मजबूत करते है। कहानी सिर्फ नेपाल और श्रीलंका की नहीं है। बांग्लादेश से तनातनी इस स्तर पर है कि अदानी समूह का दुमका स्थित बिजलीघर अपनी बिजली कहां बेचे यह समझ नहीं पा रहा है। बांग्लादेश की नई सरकार उसके साथ हुए पावर पर्चेज संधि पर पुनर्विचार की बात कर रही है। और हमारे गृह मंत्री समेत सारे भाजपाई चीजों को सुलझाने की जगह झारखंड में चुनाव जीतने के लिए बांग्लादेश से घुसपैठ को लेकर इतने तरह की बातें कर रहा है कि कोई भी स्वाभिमानी देश भड़केगा और बांग्लादेश भी आपत्ति कर रहा है। झारखंड बनने के बाद से अभी तक सबसे ज्यादा समय तक भाजपा का शासन रहा है लेकिन चुनाव में हिन्दू–मुसलमान ध्रुवीकरण कराने के लिए पूरी भाजपा घुसपैठ का मसाला तेजी से उठा रही है। बांग्लादेश की नई सरकार ने अभी तक कोई भारत विरोधी कदम नहीं उठाया है लेकिन हमारी सरकार ने शेख हसीना से ऐसा स्नेह दिखाया है कि जमाते इस्लामी जैसे पाकिस्तान समर्थक समूहों को भी बल मिला है। बेगम खालिदा जिया भी सत्ता हड़पने की ताक में हैं। कल क्या होगा यह कहना मुश्किल है लेकिन इतना कहने में हर्ज नहीं है कि कल आज की तुलना में ज्यादा भारत विरोधी हवा होगी। हमारे मुखिया दुनिया की समस्याएं सुलझाने का दावा करते हैं लेकिन पड़ोस से रिश्ते सामान्य और मित्रवत रखने में उनको दिक्कत है। उनके समर्थक मालदीव के रास्ते पर आने की बात को उनकी सफलता मानते है। अब मालदीव जैसे नन्हे और पूरी तरह भारत से घिरे और जुड़े देश में अगर कोई भारत विरोधी सरकार आ जाती है तो अपनी नीतियों पर पुनर्विचार किए और नई सरकार से मतभेद सुलझाने की दोस्ताना कोशिश की जगह धमकी से मसला सुलझाना समझदारी नहीं है। मणिपुर के कबायली झगड़े को आपने उलझाया है और सुलझाने की कोई सार्थक कोशिश अभी तक नहीं की गई है।

मेष :– क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार विखेरें। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिन्ता उत्पन्न करेगी। किसी नए कार्य में मन केन्द्रित होगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

वृष :– भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीतिज्ञों के लिए राजनीतिक क्षेत्र में व्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाएं।

मिथुन :– महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों के प्रति मन केन्द्रित होगा। अत्यधिक कायरे की व्यस्तता से मन परेशान होगा। पारम्परिक कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्क :– जीविका क्षेत्र में नए आयाम आपको उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हलकर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की व्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी बिचारों से सिंचित करें। महत्वपूर्ण क्षेत्र में संबंधों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

कन्या :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक हो सकता है। लेकिन प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी। परिवार में कोई सुखद माहौल बनेगा।

तुला :– हर वक्त अपने को लाचार बनाए रखना अच्छी बात नहीं, समय का सदोपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा दें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित।

वृश्चिक :– शासन–सत्ता के सहयोग से कार्य क्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। कार्य क्षेत्र में लोकप्रियता व वर्चस्व बढ़ेगा। प्रयत्न की सार्थकता उच्छृंखलता व व्यग्रता क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा।

धनु :– कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत के चकाचौंध आप प्रभावित होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता के आसार बढ़ेगे। अच्छे व्यवहारकुशलता से सामाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी।

मकर :– कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रह वश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को न पालें।

कुंभ :– ''खाली मन शैतान का घर'' अपने दिनचर्या को सुधारें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा।

बीमार चीनी अर्थव्यवस्था को केंद्रीय बैंक से मिला भारी प्रोत्साहन

अंजन रॉय

> *इसने वास्तव में चीनी राजनीतिक आकाओं की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो मंगलवार को चीन के केंद्रीय बैंक के कदम में परिलक्षित हुई। केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा देखी गयी अब तक की सबसे बड़ी नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की।*

चीनी अर्थव्यवस्था में लगातार 23 महीनों से अपस्फीति देखी जा रही है– यानी, कीमतें वास्तविक समय में गिर रही हैं। इसने वास्तव में चीनी राजनीतिक आकाओं की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो मंगलवार को चीन के केंद्रीय बैंक के कदम में परिलक्षित हुई। केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा देखी गयी अब तक की सबसे बड़ी नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की। चीनी केंद्रीय बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों के लिए आरक्षित आवश्यकताओं को कम करके अतिरिक्त तरलता की बड़ी खुराक भी जारी की है। इसके अतिरिक्त, घर खरीदारों को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा बंधकों की दरों में कटौती की गयी है। लेकिन इस तरह की फैक्टरी गेटडिफ्लेशन (अपस्फीति) अर्थव्यवस्था में कुछ संरचनात्मक कठोरताओं को दर्शाती है, जिसके बारे में अर्थशास्त्रियों का मानना है कि ब्याज दर में कटौती या तरलता के प्रवाह जैसे केवल मौद्रिक नीति उपकरणों से शायद ही लड़ा जा सकता है। आंकड़े रोजगार के रुझान और संभावनाओं में भी थोड़ा सुधार दिखा रहे हैं। चीनी अर्थव्यवस्था में मौजूदा अस्वस्थता इतनी गहरी और व्यापक है कि इसे केवल कुछ वित्तीय प्रोत्साहनों से संबोधित नहीं किया जा सकता है। वास्तविक अर्थव्यवस्था में कुछ अंतर्निहित कठोरताओं और असंतुलनों को वित्तीय अर्थव्यवस्था में तरलता और ब्याज कटौती की खुराक के साथ संबोधित किया जा रहा है। चीनी अर्थव्यवस्था में तीन बुनियादी समस्याएं थीं। सबसे पहले, चीन हाल ही में क्षमता निर्माण के लिए भारी मात्रा में निवेश के माध्यम से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर निर्भर था। बड़े निवेशों ने विशाल अधिशेष क्षमता का निर्माण किया है, जिसे घरेलू अर्थव्यवस्था शायद ही पूरा कर सके। दूसरा, चीनी नीति निर्माता अर्थव्यवस्था के समग्र प्रदर्शन के लिए आवास उद्योग पर बहुत अधिक निर्भर थे। घर की खरीद और इमारतों ने बड़े शहरों का निर्माण किया, जो अब सबसे ऊंचे शहर दिखते हैं। आवास क्षेत्र में मंदी आ गयी है क्योंकि बड़े संपत्ति डेवलपर दिवालिया हो गये हैं तथा खरीदारों को घर देने में विफल रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने पूरी तरह से भुगतान किया है। चीनी बचतकर्ताओं का अधिकांश पैसा आवास निवेश में चला गया था, और जमीन–जायदाद का धंधा करने वाली कंपनियों के बंद होने तथा अधूरे और बिना बिके नये घरों के बड़े स्टॉक ने घरों की कीमतों को कम कर दिया है। लोगों की बचत को झटका लगा है और बढ़ते आवास बाजार का धन प्रभाव गायब हो गया है। इसने उपभोक्ता भावनाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है। यहां हम चीनी अर्थव्यवस्था में मौजूदा गिरावट के तीसरे कारक पर आते हैं। मूल समस्या यह है कि उपभोक्ता में उत्साह कम है और गिरती कीमतों के साथ, उपभोक्ता नये घर या यहां तक कि महंगे उपभोक्ता टिकाऊ सामान खरीदने जैसी बड़ी खरीद प्रतिबद्धताओं को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। पहले के दिनों में चीनी अधिकारियों ने अत्यधिक गर्म बाजार को ठंडा करने के लिए घर खरीदने पर कई प्रतिबंध लगाये थे। अब ये प्रतिबंध उलटे पड़ गये हैं। इसके अलावा, हाल ही में व्यापक नीतिगत बदलाव किये गये थे जब सुरक्षा संबंधी चिंताएं आर्थिक मुद्दों पर हावी हो गई थीं। समग्र नीतिगत ढांचे में इस तरह के बदलाव अब प्रभावी हो रहे हैं और अर्थव्यवस्था नरम पड़ रही है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गजों पर लगातार नीतिगत उलटफेर और सख्ती, उच्च उड़ान वाले बैंकरों और वित्तीय संस्थानों पर हमले, कॉरपोरेट्स में कम्युनिस्ट पार्टी का भारी हस्तक्षेप, इन सभी ने मिलकर चीनी बाजारों और प्रमुख खिलाड़ियों की भावनाओं को निराश किया है। अब जबकि अर्थव्यवस्था में गिरावट आ रही है, चीनी केंद्रीय बैंक से लेकर प्रतिभूति प्राधिकरण जैसे विभिन्न नीति निकाय आर्थिक गिरावट और मंद होते उपभोक्ता उत्साह से निपटने के लिए कार्रवाई में जुट गये हैं। चीनी केंद्रीय बैंक – पीबीओसी– ने कीमतों में और गिरावट को रोकने और उपभोक्ता खर्च को प्रोत्साहित करने के लिए मंगलवार को 10 खरब येन (142अरब डॉलर के बराबर) का भारी प्रोत्साहन पेश किया था। प्रोत्साहन पैकेज चीनी छुट्टियों के मौसम के दौरान सामने आया है। देश के आर्थिक अधिकारी चिंतित हैं कि सरकार का घोषित जीडीपी विकास लक्ष्य इस साल पूरा नहीं हो सकता है क्योंकि साल में केवल तीन महीने बचे हैं। चीनी अधिकारियों ने वर्ष के लिए 5 प्रतिशत विकास लक्ष्य निर्धारित किया था। अब समस्या आपूर्ति की अधिकता की है। लगातार नीतिगत ढांचे ने निवेश और क्षमता निर्माण पर भरोसा किया है जिससे अर्थव्यवस्था की क्षमता से अधिक क्षमता और आवास स्टॉक उत्पन्न हुए हैं। समग्र नीति लगातार बढ़ते आवास बाजार और स्थानीय अधिकारियों द्वारा अपने बजट को निधि देने के लिए भूमि की बिक्री पर निर्भर हो गयी थी। लेकिन ऐसी नीतियों के मदद कर सकने की सीमाएं हैं। पिछले कुछ समय से, चीनी आर्थिक नीति निर्माताओं ने आवास बाजारों की मदद करने की कोशिश की थी।

लेकिन ये काम नहीं कर रहे हैं और आवास स्टॉक अभी भी बड़े हैं। नीति हस्तक्षेप का दूसरा चरण शेयर बाजारों को ऊपर उठाना रहा है। शेयर फिलहाल कुछ हद तक ऊपर हैं। लेकिन बाजार के खिलाड़ियों को डर है कि वास्तविक अर्थव्यवस्था में वास्तविक समय में सुधार के अभाव में शेयर एक बार फिर से गिर सकते हैं। रेपो दरों जैसी नीतिगत दरों में लगातार कटौती ने वित्तीय प्रणाली में लगभग 180 खरब युआन जारी किये हैं। इससे उपभोक्ता मांग को बढ़ावा मिलने के साथ–साथ वित्तीय बाजारों पर भी अपनी छाप छोड़ने की उम्मीद है। अभी किसी चीज की कोई गारंटी नहीं है। विदेशी मुद्रा बाजार ने पहले ही प्रतिक्रिया व्यक्त की है और युआन डॉलर के मुकाबले अपने उच्चतम हाल के स्तरों पर पहुंच गया है। लेकिन केवल ये परिवर्तन समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा नहीं दे सकते हैं और इसे मंदी से बाहर नहीं ला सकते हैं।

कॉलेज में बुलिंग और बॉडी शेमिंग का शिकार रही, मुझे लगता था मैं खूबसूरत नहीं

निमरत कौर अहलूवालिया

शछोटी सरदारनीश की मशहूर एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया , शबिग बॉस 17श और शखतरों के खिलाड़ी 14श से चर्चा में आईं। उन्होंने बॉडी शेमिंग और बुलिंग का सामना किया। निमृत ने अपने वेट लॉस सफर पर बात की और पंजाबी फिल्म शशौंकी सरदारश में काम करने का अनुभव साझा किया। निमृत कौर अहलूवालिया ने शबिग बॉस 17श और शखतरों के खिलाड़ी 14श से पॉप्युलैरिटी हासिल की निमृत ने बताया कि डिप्रेशन के कारण उनका वजन बढ़ा और फिर हार्मोनल इम्बैलेंस हुआ उन्होंने बॉडी शेमिंग पर बात करते हुए कहा कि महिलाओं को सुंदर दिखने का प्रेशर समाज में बना हुआ है टेलिविजन पर छोटी सरदारनी के रोल में मशहूर निमृत कौर अहलूवालिया की शोहरत बढ़ी शबिग बॉस 17श और शखतरों के खिलाड़ी 14श से। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार सरदार से। एक समय बुलिंग और बॉडी शेमिंग का शिकार रही निमृत यहां अपनी फिल्म ही नहीं जिंदगी के उतार–चढ़ाव पर भी बात करती हैं। पिछले दिनों आपका वेट लॉस काफी चर्चा में रहा। यह सफर आपके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा है? –जब मैं छोटी सरदारनी के सेट पर थी और उस वक्त मेरा डिप्रेशन डायग्नोज हुआ, तो मैंने 6 महीने के अंदर 15 किलो वजन गेन कर लिया था। वो इसलिए नहीं था कि मैं वर्कआउट नहीं कर रही थी या खाना ठीक से नहीं खा रही थी, उसका कारण था, मेरे हार्मोनल इम्बैलेंस। जब आप एंटी डिप्रेशन पिल्स खाते हैं, तो आपकी बॉडी बहुत ज्यादा पानी होल्ड करने लगती है और बहुत ज्यादा फैट स्टोर करने लग जाती है, तो वो बहुत ही निराशाजनक समय था। जो ऑडियंस मुझे छोटी सरदारनी के समय से जानती थी, उन्हें पता था कि मैं हमेशा फिट रहती हूं, मगर जब मैं रिएलिटी शो के दर्शकों से जुड़ी, तो उस ऑडियंस ने कहना शुरू कर दिया कि ये तो है ही ऐसी। मुझे उस वक्त काफी बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ा। जब आप अपने बेस्ट शेप में रह चुके हों और उसके बाद आपको बॉडी शेमिंग की ऐसी बातें सुनने मिलें, तो आप हताश हो जाते हैं, मगर मैंने हार नहीं मानी। मैंने सोचा, लोगों को जो ट्रोल करना है करें। मैं मेहनत से अपने वेट लॉस पर लगी रही और उसका परिणाम मुझे मिला। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को आम तौर पर जो बॉडी शेमिंग का शिकार बनाया जाता है, उसे आप कैसे देखती हैं? –मुझे जो सबसे बड़ी समस्या लगती है, वो ये कि हमने औरत को हमेशा एक बायलॉजिकल रोल में देखा है और ये सदियों से चला आ रहा है। अभी तो फिर भी कुछ बदलाव देखने मिलता है। औरतें घरों से निकल कर काम करने लगी हैं, मगर कहीं कोने में मानसिकता यही है कि वे सुंदर दिखें और एक तरह से उन्हें भोग की वस्तु माना जाता है। उन्हें मर्दों को खुश रखना है और वे बच्चा पैदा करने वाली मशीन हैं। हालांकि वक्त के साथ हम प्रोग्रेस कर रहे हैं, मगर बेसिक लेवल की मानसिकता यही है। हम पर सुंदर दिखने का प्रेशर होता है, मगर मेरी कई फ्रेंड्स ऐसी हैं, जो कोर्ट में काम करती हैं या डेस्क जॉब, मगर उन पर भी ये दबाव लगातार रहता है कि अरे मैं मोटी हो रही हूं। मेरा वजन बढ़ रहा है। अजीब से ब्यूटी स्टैंडर्स सेट कर रखे हैं और ये सदियों से आए उसी मूल विचार के कारण हैं, तो हमें समाज के रूप में खुद को बदलना पड़ेगा, अपनी सोच बदलनी पड़ेगी। तब जाकर आमूल परिवर्तन हो पाएगा। नियां शमार्रु 14 की उम्र में हुआ था पिता का निधन, कभी देवोलीना से मांगनी पड़ी थी सरेआम माफी, जानिए इनका असली नाम टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा आज 17 सितंबर को अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। वह इस वक्त कलर्स के शो शलाफ्टर शेफ्सश और शसुहागन चुड़ैलश में नजर आ रही हैं। इनका नाम अब सलमान खान के रियलिटी शो शबिग बॉस 18श के लिए भी कंफर्म बताया जा रहा है। इनके इस खास दिन पर हम आपको कुछ इनसे जुड़ी बातें बताने जा रहे हैं। इनके विवाद और इनके काम–धाम से लेकर स्ट्रगल तक पर आप जानेंग। चलिए शुरू करते हैं। निया शर्मा का जन्म 17 सितंबर, 1990 को हुआ था। इन्होंने 2010 में शकाली–एक अग्निपरीक्षाश से डेब्यू किया था। इसके बाद इन्होंने शबहनेंश भी किया। मगर पहचान शएक हजारों में मेरी बहना हैश से मिली थी, जिसमें इन्होंने मानली का रोल अदा किया था। फिर ये शजमाई राजाश में दिखीं, जो भी पॉप्युलर हुआ था। फिर इन्होंने रियलिटी शोज किए। निया शर्मा न्झ के एक अखबार शईस्टर्न आईश में म•पमेज ेपंद˘वउमद स्पेज की लिस्ट में दो बार आईं। टॉप 50 की इस लिस्ट में निया शर्मा 2016 में तीसरे और 2017 में दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं, शटाइम्सश में पॉप्युलर टीवी एक्ट्रेसेस की टॉप 10 लिस्ट में 6वें नंबर पर थीं। निया शर्मा का मुंबई में एक आलीशान 3–ठभ्झ घर है। उनके पास वोल्वो एक्ससी सहित महंगी गाड़ियां हैं। इसके अलावा उनके पास दो ऑडी भी है। निया शर्मा विवादों में अक्सर छाई रहती हैं। एक बार इन्होंने अकनी को–एक्ट्रेस रिहाना पंडित को होंठ पर चूम लियाथा। जिसके बाद ये सुर्खियों में छा गई थीं। हालांकि इंटरव्यूज में एक्ट्रेस ने कहा था कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है, जिसे लोग तिल का ताड़ बना रहे हैं। घनिया शर्मा का असली नाम नेहा शर्मा है। इंडस्ट्री में आने से पहले उन्होंने अपना नाम बदला था। वह अक्सर अपने पहनावे को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं। वह अपने शरीर को बहुत एक्सपोज करती हैं, जिस कारण आलोचना का भी शिकार होती हैं। निया शर्मा और देवोलीना भट्टाचार्जी पर्ल वी पुरी पर लगे रेप केस पर भिड़ गई थीं। दोनों ने एक–दूसरे पर पर्सनल अटैक किए थे। जिसके बाद निया को देवोलीना से माफी भी मांगनी पड़ गई थी। और गोपी बहू ने बड़प्पन दिखाते हुए कहा था कि उन्होंने उनको माफ किया। बता दें कि कुछ दिन पहले ही निया शर्मा के खिलाफ उनकी भाभी ने घरेलू हिंसा की शिकायत की थी। जिसदे बाद दिल्ली की एक कोर्ट ने उन्हें समन भेजा था। एक्ट्रेस की मां और भाई पर भी भाभी ने गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा, शजब मेरे पिता का निधन हुआ, तब मैं 14 साल की थी। मेरे भाई ने बहुत कम उम्र में ही नौकरी कर ली ताकि वह हमें पाल सके। इसलिए जब मुझे पता चलता है कि लोग मेरे बारे में क्या कहते हैं, तो इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता क्योंकि मैं जानती हूं कि मेरी मां ने हमारे लिए क्या–क्या कुर्बानी दी है। उनका कोई दोस्त नहीं है। उनका कोई नहीं है। मेरी मां ने दिल्ली में हमारे सभी रिश्तेदारों को छोड़ दिया और सारा ध्यान मेरे भाई और मुझ पर लगाया। उन्होंने मुझसे बस इतना कहा है, जब तक तुम सही हो, जो चाहो करो। जो चाहो पहनो, डंके की चोट पे पहनो।श निया शर्मा की रवि दुबे के साथ भी खटपट रही है। बताया जाता है कि दोनों एक–दूसरे को पसंद नहीं करते हैं। मगर आज दोनों अच्छे दोस्त हैं। दोनों साथ में पार्टी करते भी दिखाई देते हैं। एक बार तो उन्होंने रवि दुबे को बेस्ट किसर भी बताया था। आपने खुद पर नाज कब किया है? –बहुत बार। बहुत छोटी–सी उम्र से मैंने अपनी बात रखने की हिम्मत दिखाई है। मैं कॉलेज के थर्ड ईयर में थी और हमारा 80 स्टूडेंट का बैच था। हमारे कॉलेज में कुछ तो ऐसी बात हुई थी,जब एक स्टूडेंट को अथॉरिटी के दबाव में अटेंडेंस को लेकर फंसाया जा रहा था। मैंने स्टैंड लिया कि वो गलत नहीं है, उसे फंसाया जा रहा है। उस बात को लेकर बहुत तनाव हो गया था। लड़कियों में हाथापाई की नौबत आ गई थी, मगर मैंने उस स्टूडेंट का साथ दिया और डटी रही। हालांकि बाद में जब वो लड़का सही साबित हुआ, तो मुझे उसके लिए स्टैंड लेने के अपने फैसले के कारण खुद पर नाज हुआ। एक और उदाहरण है। मैं लॉ कर रही थी और उस पढ़ाई के दौरान अपने पैरेंट्स को ये कहने का साहस करना कि मैं अभिनय करूंगी बड़ी बात थी। सिद्धार्थ ने पड़ोसी से की थी पहली शादी तो अदिति राव हैदरी के पहले पति हैं एक्ध्टर, दोनों के तलाक में है अजब संयोग सोनाक्षी सिन्हा के बाद अब शहीरामंडीश एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने भी शादी कर ली है। बिना हो–हल्ला किए, उन्होंने एक्टर सिद्धार्थ को अपना जीवनसाथी चुन लिया है। उन्होंने गुपचुप सगाई की थी और अब शादी करने के बाद सीधे इंटरनेट पर तस्वीरें शेयर कीं, जिससे फैंस एकदम हैरान रह गए। हालांकि दोनों ही अपनी–अपनी लाइफ में शादीशुदा जिंदगी जी चुके हैं। दोनों ही तलाकशुदा हैं। इनका कई के साथ अफेयर भी रहा है।

फिल्मों में आने पर तृप्ति को सुनने पड़े रिश्तेदारों के ताने

इम्तियाज अली की फिल्म लैला मजनू से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं तृप्ति डिमरी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हालांकि, एक समय ऐसा भी था, जब उनके परिवार वाले नहीं चाहते थे कि वो फिल्मों में आएं। उन्हें सोसाइटी और रिश्तेदारों के खूब ताने सुनने मिलते थे। तृप्ति ने ये भी बताया है कि रिश्तेदारों ने उनके पेरेंट्स से कहा था कि अगर तृप्ति फिल्मों में जाएंगी, तो उनसे कोई शादी नहीं करेगा। हाल ही में तृप्ति डिमरी, कटरीना कैफ की ब्यूटी ब्रांड के–ब्यूटी बाय कटरीना की कन्वर्सेशन का हिस्सा बनी थीं। इस दौरान तृप्ति ने अपना स्ट्रगल शेयर किया है। तृप्ति ने कहा है, शजब मैं मुंबई आई तो मेरे लिए ये बेहद मुश्किल था। मैं रोज घर से निकलकर ऑडिशन देने जाती थी। ऑडिशन के दौरान एक कमरे में 50–60 लोग होते थे। लोग, समाज, रिश्तेदार मेरे पेरेंट्स से बहुत बुरी बातें कहते थे। वो कहते थे आपने अपनी बेटी को इस प्रोफेशन में क्यों भेजा है। वो पूरी तरह बिगड़ जाएगी। वो गलत लोगों के साथ उठेगी–बैठेगी। वो अपने लिए गलत फैसले लेगी। कोई भी उससे शादी नहीं करेगा। वो अब शादी नहीं करेगी। एक समय था जब मैंने उम्मीद खो दी थी– तृप्ति डिमरी इंटरव्यू में तृप्ति ने मुंबई के स्ट्रगल पर कहा है, एक ऐसा समय भी रहा, जब मैंने उम्मीद खो दी थी। मैं सुबह सोकर उठती थी और मेरे पास कोई काम नहीं होता था।

शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की ब्लॉकबस्टर रोमांटिक फिल्म 'वीर–जारा' कई बार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. फिल्म जब भी पर्दे पर आती है, छा जाती है. एक बार फिर शवीर–जाराश रिलीज हुई और इस बार फिल्म ने इतिहास रच दिया. री–रिलीज पर फिल्म वर्ल्डवाइड 100 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है. शवीर–जाराश 13 सितंबर (शुक्रवार) को री–रिलीज हुई और इसने भारत में शानदार ओपनिंग की. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक पहले दिन शवीर–जाराश ने 20 लाख रुपए कमाए. शनिवार को फिल्म ने 32 लाख और रविवार को 38 लाख रुपए बटोरे. सोमवार को शवीर–जाराश का कलेक्शन 20 लाख, मंगलवार को 18 लाख, बुधवार को 15 लाख कमाए और गुरुवार को 14 लाख रुपए का कलेक्शन किया. री–रिलीज पर शवीर–जाराश का वर्ल्डवाइड धांसू कलेक्शन शवीर–जाराश ने एक हफ्ते में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 1.57 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया. वहीं विदेश में फिल्म ने 1.80 करोड़ कमाए. शवीर–जाराश इस साल फरवरी में भी पर्दे पर रिलीज की गई थी. साल 2005 से 2024 तक फिल्म कई बार री–रिलीज हुई और दुनिया भर में 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की. शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की फिल्म ने री–रिलीज में अब तक कुल 102.60 करोड़ रुपए कमाए हैं. शवीर–जाराश की कहानी यश चोपड़ा के डायरेक्शन में बनी शवीर–जाराश साल 2004 में पहली बार रिलीज हुई थी।

ये एक लव स्टोरी है जिसमें शाहरुख खान और प्रीति जिंटा लीड रोल में हैं. फिल्म में भारत के लड़के और पाकिस्तान की लड़की की प्रेम कहानी दिखाई गई है. जो दो देशों की दुश्मनी का शिकार होकर बिछड़ जाते हैं और फिर सालों के इंतजार के बाद एक होते हैं. फिल्म में एक्ट्रेस रानी मुखर्जी, किरण खेर, बोमन ईरानी, अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और दिव्या दत्ता भी फिल्म का हिस्सा हैं।

गाउन में सनी लियोनी ने लूटी लाइमलाइट, हॉट अदाओं ने किया दीवाना

ब्राउन कलर की ऑफ–शोल्डर ड्रेस में सनी लियोनी अपने हुस्न का जादू फैंस पर...

जैकलीन फर्नांडीस की इन तस्वीरों में है हॉटनेस ओवरलोडेड, देखें बोल्ड अंदाज

जैकलीन फर्नांडीस का इंस्टाग्राम उनकी कई हॉट फोटोज से भरा पड़ा है और उनकी इन्हीं तस्वीरों में से आपको दिखाते हैं उनके कुछ चुनिंदा...

फ्रॉक स्टाइल ड्रेस में श्वेता तिवारी ने दिए किलर पोज, इन तस्वीरों से हो जाएगा प्यार

श्वेता तिवारी व्हाइट एंड ब्लू कलर की फ्रॉक स्टाइल ड्रेस में बेहद प्यारी लग रहीं हैं, क्या आपने देखीं...

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है। अगर आप शैम्पू करते हुए कुछ छोटी–छोटी मिसटेक्स करते हैं तो इससे हेयर फॉल की समस्या शुरू हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शैम्पू से जुड़ी उन गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आपको बचना चाहिए–

जोर से रगड़ना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह शैम्पू करते हुए बालों को तेजी से रगड़ते हैं। लेकिन आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, जिस समय आप बालों को वॉश करते हैं, उस समय वह बेहद कमजोर होते हैं। ऐसे में अगर उन्हें जोर से रगड़ा जाए तो वह टूटने लग जाते हैं। आप चाहें तो शैम्पू करने के बाद हल्की मसाज कर सकते हैं, लेकिन तेजी से रगड़ने से बचें।

कंडीशनर को स्किप करना

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बार–बार शैम्पू स्विच करना

कई बार ऐसा होता है कि हम टीवी में कोई ऐड देखते हैं और उससे प्रभावित होकर किसी नए ब्रांड का शैम्पू ले आते हैं। लेकिन इस तरह बार–बार शैम्पू को स्विच करना बालों के लिए सही नहीं माना जाता। कई शैम्पू में केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है और यह आपके बालों को डैमेज भी कर सकते हैं।

बालों की प्रॉब्लम को ध्यान में ना रखना

जब आप बालों को वॉश करते है तो हमेशा अपने बालों की समस्या व हेयर टाइप को ध्यान में रखकर ही शैम्पू चुनना चाहिए। मसलन, अगर आपको रूसी की समस्या है तो एक एंटी–डैंड्रफ शैम्पू आपके काम आएगा। अगर आप इसे ध्यान नहीं रखते हैं तो इससे बालों को फायदा कम और नुकसान ज्यादा होता है। इसलिए पहले हमेशा अपने बालों की जरूरत को समझें और उसी के अनुसार शैम्पू इस्तेमाल करें।

क्या हंसने से आंखों की रोशनी में सुधार हो सकता है? हालिया लंदन में की गई रिसर्च ने इस पर एक नई रोशनी डाली है, जिसमें पता चला है कि हंसने से आंखों की ड्राइनेस को कम करने में मदद मिल सकती है।

इस अध्ययन ने साबित किया है कि ठहाके मारकर हंसना सिर्फ मन को खुशी नहीं देता, बल्कि यह आंखों के लिए एक प्रभावी और नैचुरल उपचार भी है। आइए, जानें इस दिलचस्प रिसर्च के बारे में!

आंखों की ड्राइनेस का बड़ा मुद्दा

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन के दौरान पाया कि लगभग 36 करोड़ लोग ड्राई आई सिंड्रोम से पीड़ित हैं। ब्रिटेन में हर 7 में से एक व्यक्ति आंखों की समस्याओं का सामना कर रहा है, जिसमें खुजली और लालपन शामिल हैं। ऐसे में यह शोध महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

लाफ्टर थेरेपी एक सस्ता और प्राकृतिक उपाय

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने दो समूहों का निर्माण किया। एक समूह को हंसने की एक्सरसाइज कराई गई, जबकि दूसरे समूह का इलाज आई ड्रॉप्स के माध्यम से किया गया। पहले समूह को दिन में चार बार हंसने का समय दिया गया, जबकि दूसरे समूह को समान समय पर आई ड्रॉप्स का उपयोग करना पड़ा।

अध्ययन के अंत में यह पाया गया कि लाफ्टर थेरेपी ने आई ड्रॉप्स की तुलना में बेहतर परिणाम दिए। इसका मतलब है कि अब आंखों की ड्राइनेस को दूर करने के लिए महंगे आई ड्रॉप्स की जरूरत नहीं, बल्कि हंसना बेहतर है।

अध्ययन की प्रक्रिया

अध्ययन में शामिल दोनों समूहों की देखरेख की गई, और आठ हफ्तों तक इन्हें लगातार इसी तरीके से प्रैक्टिस करवाई गई। अंत में, लाफ्टर थेरेपी को अधिक प्रभावी माना गया, जिससे यह साबित होता है कि हंसने से न केवल मन को खुशी मिलती है, बल्कि यह आंखों की सेहत के लिए भी लाभदायक है।

यह रिसर्च यह दर्शाता है कि हंसने से सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य में सुधार नहीं होता, बल्कि यह आंखों के लिए भी एक कारगर उपाय हो सकता है। ड्राई आई सिंड्रोम से परेशान लोगों के लिए यह शोध एक आशा की किरण है, जो महंगे उपचारों के मुकाबले एक सरल और सस्ता विकल्प प्रस्तुत करता है।

तो अगली बार जब आपको अपनी आंखों में सूजन या खुजली महसूस हो, तो महंगे आई ड्रॉप्स की बजाय एक अच्छी कॉमेडी फिल्म देखें और खुलकर हंसें! आपकी आंखें आपको धन्यवाद देंगी।

वेपिंग, जिसे ई–सिगरेट के नाम से भी जाना जाता है, का उद्देश्य धूम्रपान छोड़ने में मदद करना था। लेकिन हाल के वर्षों में यह युवा पीढ़ी के बीच एक हानिकारक ट्रेंड बन गया है। कई लोग मानते हैं कि वेपिंग सिगरेट के मुकाबले सुरक्षित है, लेकिन रिसर्च से पता चला है कि यह भी जानलेवा हो सकता है। आइए, इस लेख में जानते हैं वेपिंग के साइड इफेक्ट्स के बारे में।

अमेरिका में एक महिला का अनुभव

हाल ही में, अमेरिका की 32 वर्षीय महिला की कहानी ने वेपिंग के खतरनाक प्रभावों को उजागर किया। उसने टीनएज में ही स्मोकिंग शुरू कर दी थी और हर दिन 500 रुपये वेपिंग पर खर्च करती थी। उसे यह लत इतनी गहरी हो गई थी कि वह बिना वेप के नींद नहीं आ पाती थी। अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसके फेफड़ों से 2 लीटर जहरीला लिक्विड निकाला, जो वेपिंग के कारण हुआ था।

फेफड़ों के लिए खतरनाक

वेपिंग फेफड़ों के लिए बेहद खतरनाक है, क्योंकि इसमें मौजूद केमिकल्स सीधे फेफड़ों में पहुंचते हैं, जिससे सूजन और अन्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यह स्थिति न केवल अस्थायी असुविधा का कारण बनती है, बल्कि आगे चलकर गंभीर बीमारियों जैसे ब्रॉन्काइटिस और अस्थमा का खतरा भी बढ़ाती है। इसके लंबे समय तक उपयोग से फेफड़ों की स्वास्थ्य स्थिति और भी बिगड़ सकती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई और अन्य श्वसन संबंधित समस्याए हो सकती हैं।

कैंसर का रिस्क

हालांकि इस बात का ठोस प्रमाण नहीं है कि वेपिंग कैंसर का कारण बनता है, लेकिन इससे शरीर के अंदर ऐसे टॉक्सिक पदार्थ जा सकते हैं जो कैंसर के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। कई हेल्थ रिपोर्ट्स में यह बताया गया है कि ई–सिगरेट के उपयोग से मृत्यु दर में वृद्धि हुई है।

हार्ट हेल्थ पर प्रभाव

वेपिंग और सिगरेट दोनों का हार्ट हेल्थ पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, क्योंकि ये ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाते हैं। इस स्थिति के परिणामस्वरूप कार्डियक अरेस्ट, हार्ट स्ट्रोक, और हाइपरटेंशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। नियमित वेपिंग से रक्त संचार प्रणाली में बाधाएं आ सकती हैं, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ता है। यह समस्या केवल धूम्रपान करने वालों में ही नहीं, बल्कि उनके आस–पास के लोगों में भी स्वास्थ्य संबंधी चिंताए पैदा कर सकती है।

निकोटीन की लत

ई–सिगरेट में मौजूद निकोटीन एक अत्यंत हानिकारक पदार्थ है, जो आसानी से लत लगने वाला होता है। इसकी लत को छोड़ना बेहद मुश्किल है, और यह ब्रेन हेल्थ को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। निकोटीन शरीर में कई हफ्तों तक रह सकता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जैसे कि ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, चिंता, और मूड स्विंग्स। इसके अलावा, यह मस्तिष्क की रसायन संतुलन को बिगाड़ सकता है, जो लंबे समय में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

खांसी और अन्य सांस समस्याए

वेपिंग से होने वाली खांसी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है, खासकर युवा पीढ़ी में। अमेरिकन हेल्थ रिपोर्ट्स के अनुसार, स्कूल के बच्चों में खांसी की समस्या वेपिंग के कारण 28ः देखी गई है, जो टीबी जैसी गंभीर समस्याओं का कारण भी बन सकती है। वेपिंग को पहले एक सुरक्षित विकल्प माना जाता था, लेकिन अब यह एक जानलेवा ट्रेंड बन गया है। इसके कई हानिकारक साइड इफेक्ट्स हैं, जो न केवल युवाओं के लिए बल्कि सभी उम्र के लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। इसलिए, स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि वेपिंग से दूर रहना ही सबसे अच्छा विकल्प है।

प्रतिदिन सेब खाने से सेहत को गजब फायदे मिलते हैं। यह डॉक्टर भी कहते हैं कि रोजाना सेब खाने से बीमारियां भी दूर होती है। अब सवाल उठता है कि रोजाना सेब खाने से क्या होता है। आप भी जानना चाहते हैं तो सेब खाने से कई फायदे होते हैं। आइए जानते हैं।

अंग्रेजी में एक कहावत है ।द ।चचसम ं क्ंल ज्ञममचे जीम क्वबजवत ।ूंल, इसे आपने जरुर सुना होगा। इसका मतलब है कि रोजाना एक सेब खाने से डॉक्टर से दूर रहते हैं। डॉक्टर भी सेब खाने की सलाह जरुर देते हैं। सेब में विटामिन, खनिज और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर को हेल्दी रखता है और एनर्जेटिक बनाता है। आइए जानते हैं रोजाना 1 सेब खाने से क्या होता है।

पाचन में सुधार होता है

जैसा कि सेब में खूब सारा फाइबर मौजूद होते हैं। सेब में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र को सुचारु रुप से चलाने में मदद मिलती है। सेब के खाने से कब्ज से छुटकारा मिलता है। पेट से संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

हार्ट को स्वस्थ रखता

अगर आप 1 महीने तक लगातर रोज सेब खाते हैं तो यह दिल के लिए सबसे फायदेमंद होता है। सेब के सेवन से कोलेस्ट्रॉल का लेवल कंट्रोल में रहता है और यह दिल की बीमारियों के जोखिम को कम कर सकता है।

वजन कम करने में सहायक

अगर आप बढ़ते हुए वजन से परेशान हैं तो आप सेब का सेवन जरुर करें। दरअसल, सेब में कैलोरी कम होती है और यह भूख को शांत करने में मदद करता है। फाइबर की उच्च मात्रा होने से यह लंबे समय तक पेट भरा रखता है।

इम्यूनिटी बूस्ट करना

सेब में विटामिन से होता है, जो शरीर के लिए काफी हेल्दी है। इसके साथ ही सेबस शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है और सर्दी–खांसी जैसी बीमारियों से बचाव करता है।

ग्लोइंग स्किन होती है

अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी स्किन ग्लो करें, तो सेब का सेवन जरुर करें। सेब में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाएं रखता हैं। यह त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होने से बचाता है और आपके चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइंस को दूर करता है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

सोने पर शुल्क घटने के बाद बहनों को मंगलसूत्र खरीदने में समस्या नहीं होगी : पीयूष गोयल

मुंबई । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सोना आयात शुल्क में भारी कटौती किए जाने के बाद महिलाओं को मंगलसूत्र खरीदने में कोई समस्या नहीं होगी। गोयल ने यहां आभूषण कंपनी मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोना सस्ता होने के बाद महिलाएं अब अधिक वजनदार मंगलसूत्र भी खरीद सकती हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे बताया गया है कि (आयात शुल्क में कटौती के बाद) कारोबार में उछाल आया है। कारोबार में बहुत तेजी आई है। अब, मेरी राय में हमारी बहनों को अपने मंगलसूत्र (खरीदने में) मामले में कोई समस्या नहीं होगी और आप वजनदार मंगलसूत्र भी खरीद सकती हैं।'' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोने के आयात पर सीमा शुल्क में भारी कटौती की घोषणा की थी। इस तरह शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया गया है। गोयल ने कहा कि स्वर्ण उद्योग में शुल्क कम करने की बात हर चर्चा में छाई रहती थी और शुल्क कम करने की मांग होती रही थी। उन्होंने स्वर्ण एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) से विदेशों में आभूषण विक्रेताओं की दुकानों से भारतीय पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने में मदद करने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे देश और पूरे क्षेत्र को मदद मिलेगी। गोयल ने 21,000 छात्राओं को छात्रवृत्ति की घोषणा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जीजेईपीसी से क्षेत्र–व्यापी योजना तैयार करने को कहा जिसमें कंपनियां लड़कियों की शिक्षा जैसे विशिष्ट मुद्दों पर एक साथ मिलकर भारत को एक विकसित देश बनाने में मदद करें।

लघु वित्त बैंक जोखिम कम करने के लिए सतर्क, सक्रिय रहें: डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने लघु वित्त बैंकों (एसएफबी) से जोखिम कम करने के लिए सतर्क रहने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसे उपाय किए जाने चाहिए जिनसे जोखिम समय रहते कम हो जाएं। आरबीआई द्वारा बेंगलुरू में आयोजित एसएफबी निदेशकों के सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद स्वामीनाथन ने कहा कि एसएफबी की सतत वृद्धि के लिए संचालन व्यवस्था की

महत्वपूर्ण भूमिका होगी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, स्वामीनाथन ने निदेशकों से उभरते जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए सतर्क और सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने टिकाऊ व्यापार मॉडल की भी बात कही। बयान के अनुसार, उन्होंने डिजिटल खतरों से बचाव के लिए साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। स्वामीनाथन ने वित्तीय समावेश, ग्राहक सेवा और शिकायत निवारण पर अधिक ध्यान देने का भी सुझाव दिया। एसएफबी में संचालन – सतत वृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देना विषय पर आयोजित यह कार्यक्रम एक श्रृंखला का हिस्सा है, जिसे रिजर्व बैंक हाल के दिनों में अपने दायरे में आने वाले वित्तीय संस्थानों के निदेशकों के साथ आयोजित कर रहा है।

स्टालिन ने तमिलनाडु में टाटा मोटर्स के 9,000 करोड़ रुपये के विनिर्माण संयंत्र की आधारशिला रखी

रानीपेट। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स की एक नई विनिर्माण सुविधा की आधारशिला रखी। इस संयंत्र पर 9,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस परियोजना का भूमिपूजन समारोह चेन्नई से लगभग 115 किलोमीटर दूर इस जिले के पनपक्कम में

आयोजित किया गया। इस सुविधा से 5,000 नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के अलावा, द्रमुक के वरिष्ठ मंत्री दुरई मुरुगन, टीआरबी राजा, मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने भूमिपूजन समारोह में भाग लिया। इस मौके पर स्टालिन ने टाटा मोटर्स की तमिलनाडु में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना पर प्रसन्नता जताई। स्टालिन ने कहा, "तमिलनाडु न केवल भारत में काम करने वाली बड़ी कंपनियों के लिए बल्कि बहुराष्ट्रीय निगमों के लिए भी पहला निवेश गंतव्य है। हम इस कार्यक्रम में चंद्रशेखरन की उपस्थिति से प्रसन्न हैं। नमक्कल जिले से आने वाले और विश्वस्तर पर प्रसिद्ध कंपनी का नेतृत्व करने वाले चंद्रशेखरन राज्य के लिए गौरव की बात हैं।" टाटा मोटर्स ने संयंत्र स्थापित करने के लिए मार्च में

केन विलियमसन को एक ही सेशल में दो बार करनी पड़ी बल्लेबाजी, श्रीलंका के सामने पस्त न्यूजीलैंड

मेजबान श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए खेल के तीसरे दिन 5 विकेट पर 602 रन बनाकर अपनी पारी को घोषित किया। इसके जवाब में जब न्यूजीलैंड की बैटिंग शुरू हुई तो पूरी टीम ताश के पत्तों की रह बिखर गई। न्यूजीलैंड की टीम दूसरे सेशन के खत्म होने से पहले ही 88 रन पर ही ढेर हो गई।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की बुरी हालत हो गई है। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। मेजबान श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए खेल के तीसरे दिन 5 विकेट पर 602 रन बनाकर अपनी पारी को घोषित किया। इसके जवाब में जब न्यूजीलैंड की बैटिंग शुरू हुई तो पूरी टीम ताश के पत्तों की रह बिखर गई। न्यूजीलैंड की टीम दूसरे सेशन के खत्म होने से पहले ही 88 रन पर ही ढेर हो गई। न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे ज्यादा मिचेल सैंटनर ने 29 रनों की पारी खेली। इसके अलावा 7 बल्लेबाज ऐसे रहे जो दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाए। टीम के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन 53 गेंद खेलकर महज 7 रन बना सके। इसके साथ विलियमसन के नाम के एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हो गया जिसे वह कभी याद नहीं रखना चाहेंगे। केन विलियमसन दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों में से एक हैं। विराट कोहली, जो रूट और स्टीव स्मिथ के साथ मॉर्डन डे क्रिकेट में वह फैब फोर में गिने जाते हैं, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच में उन्हें करियर में पहली बार एक ही सेशन में दो बार बैटिंग

के लिए उतरना पड़ा जो कि काफी शर्मनाक है। श्रीलंका के मिले फॉलोऑन के बाद विलियमसन को बिलकुल भी उम्मीद नहीं थी कि उन्हें दोबरा बैटिंग के लिए जाना पड़ेगा। दरअसल, न्यूजीलैंड की शुरुआत दूसरी पारी में भी निराशजनक रही थी। ओपनर बल्लेबाजों ने अपना विकेट जल्दी गंवा दिया। ऐसे में उन्हें मैदान पर उतरना पड़ा गया। दूसरी पारी में केन ने क्रीज पर अपना पैर जमाया और डेवोन कॉन्वे के साथ मिलकर टीम के लिए फिफ्टी साझेदारी की।

टेस्ट में एलबीडब्लू करने का रिकॉर्ड बना चुके हैं अश्विन

ग्लेन मैक्ग्रा को पछाड़ कर 5वें नंबर पर पहुंचे

अश्विन ने पहली पारी में बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को एलबीडब्ल्यू आउट किया। टेस्ट फॉर्मेट में अश्विन ने 114 खिलाड़ियों को स्टॅ किया है साथ ही उन्होंने ग्लेन मैक्ग्रा का रिकॉर्ड तोड़कर उनसे आगे निकल गए हैं। टेस्ट प्रारुप में सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को स्टॅ आउट करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में आर अश्विन अब 5वें नंबर पर आ गए। बारिश के कारण कानपुर टेस्ट के दूसरे दिन अभी तक खेल शुरू नहीं हो पाया है। वहीं पहले दिन का खेल भी बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। बांग्लादेश ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अभी तक 3 विकेट के नुकसान पर 107 रन बना लिए हैं। वहीं पहले दिन महज 35 ओवर तक का ही खेल हो पाया। भारत की तरफ से खेल के पहले दिन आकाशदीप ने 2 विकेट लिए, लेकिन आर अश्विन ने एक विकेट हासिल किया। इस एक विकेट की मदद से अश्विन ने ग्लेन मैक्सवेल के इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफता हासिल की। कानपुर टेस्ट मैच के पहले दिन अश्विन ने पहली पारी में बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को एलबीडब्ल्यू आउट किया। टेस्ट फॉर्मेट में अश्विन ने 114 खिलाड़ियों को स्टॅ किया है साथ ही उन्होंने ग्लेन मैक्ग्रा का रिकॉर्ड तोड़कर उनसे आगे निकल गए हैं। टेस्ट प्रारुप में सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को स्टॅ आउट करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में आर अश्विन अब 5वें नंबर पर आ गए। इस नंबर पर पहले ग्लेन मैक्सवेल थे जिन्होंने 113 खिलाड़ियों को इस तरह से आउट किया था जो अब छठे नंबर पर खिसक गए हैं। टेस्ट प्रारूप में सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को स्टॅ आउट करने वाले खिलाड़ियों में पहले नंबर पर भारत के ही अनिल कुंबले हैं। उन्होंने टेस्ट में कुल 156 बैट्समैन को स्टॅ आउट किया था। तो वहीं श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 149 खिलाड़ी को स्टॅ आउट किया था।

सीमापार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में तेजी लाएंगे भारत और भूटान

नयी दिल्ली । भारत और भूटान ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कुछ सीमा पार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए चर्चा की। इनमें अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना का मुद्दा भी शामिल रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल और भूटान के उद्योग, वाणिज्य एवं रोजगार मंत्रालय (एमओआईसीई) के सचिव दाशो ताशी वांगमो के बीच थिम्पू में हुई बैठक में इन मुद्दों पर विचार–विमर्श किया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने बैठक की सह–अध्यक्षता करते हुए सीमापार और संपर्क के बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया। इसमें जयगांव–फुंटशोलिंग में एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना और कोकराझार–गेलेफू और बानरहाट–समात्से के बीच रेल संपर्क शामिल है। बयान के अनुसार, दोनों सचिवों ने भूटान से भारत में कबाड़ के आयात के लिए एलसीएस (भूमि सीमा शुल्क स्टेशन) जयगांव की अधिसूचना, भारत–भूटान सीमा पर सीमा हाट की स्थापना, व्यापारियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और भूटान से भारत में बोल्डर के आयात पर विचार–विमर्श किया। इसके अलावा, भूटान से भारत में आयात के लिए लकड़ी की तीन अतिरिक्त किस्मों को शामिल करने पर भी चर्चा हुई।

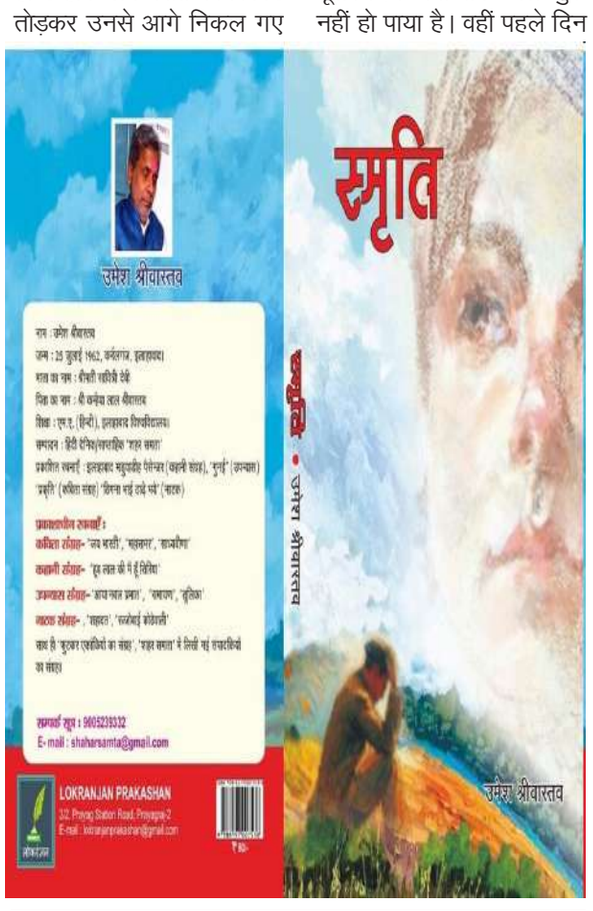

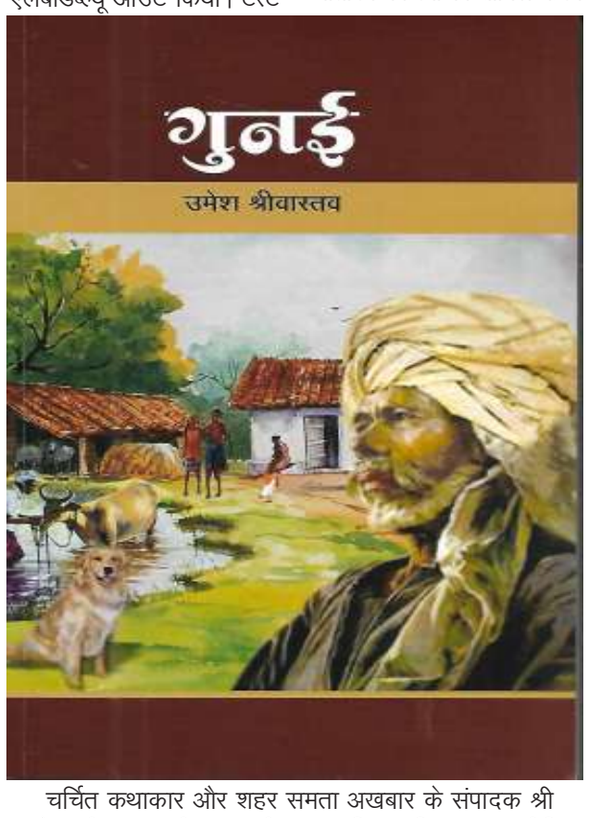

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

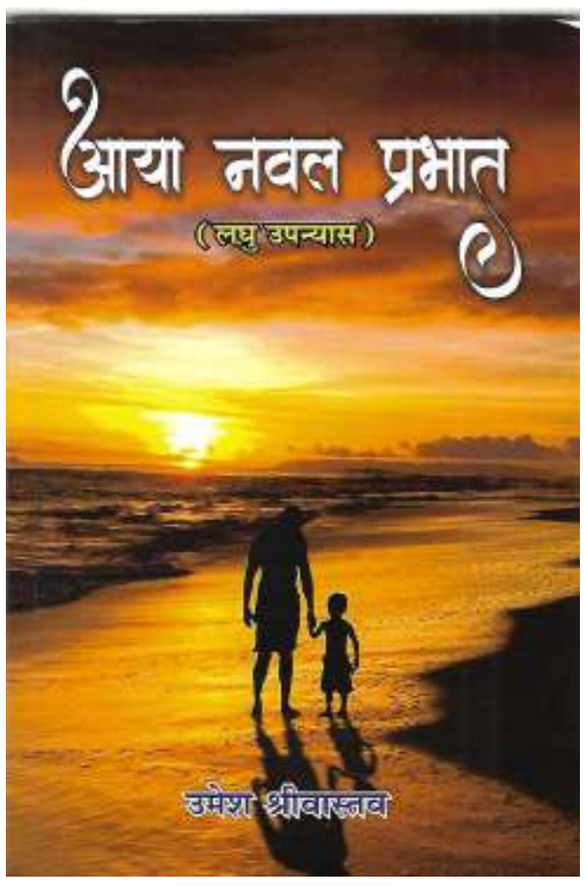

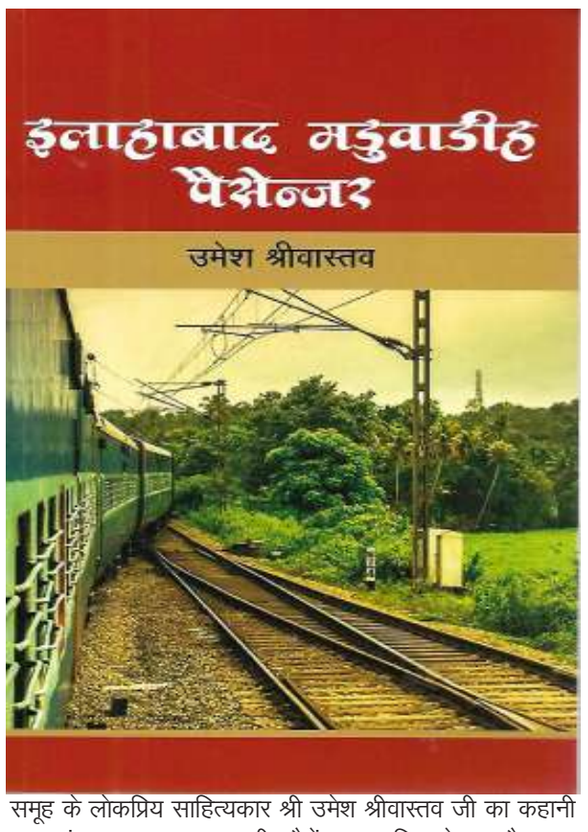

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

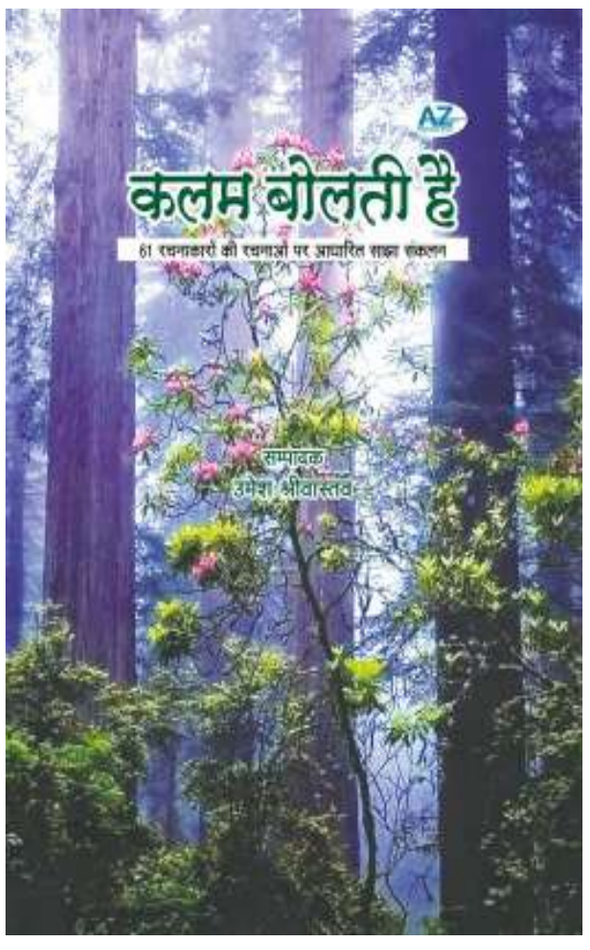

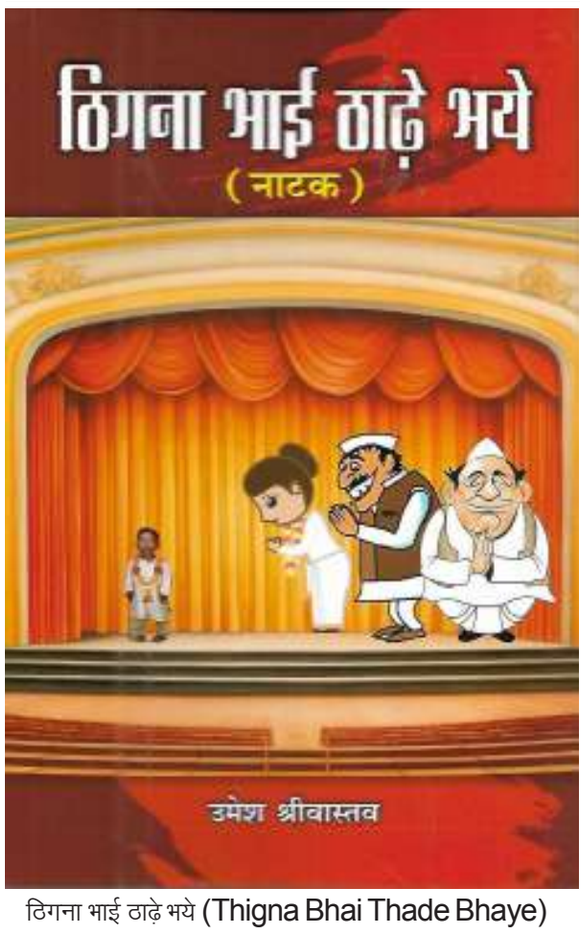

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अमेरिका में रूस–भारत ने कर ली सीक्रेट मीटिंग, नाटो देशों में मच गया बवाल

संयुक्त राष्ट्र में दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्ष पहुंच रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की बैठक में हिस्सा लेने के लिए रूस, चीन, अमेरिका, भारत और यूरोप के एक से बढ़कर एक देश और उनके प्रतिनिधि पहुंच रहे हैं। इन सब के बीच ऐसी मुलाकात हो रही है, जिसे लेकर अमेरिका की टेंशन बड़ रही है। उनमें एक मुलाकात जहां ब्रिक्स देशों की थी। वहीं दूसरी मुलाकात चीन और पाकिस्तान के लिए खलबली लाने वाली थी। ये मुलाकात भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के विदेश मंत्री सर्गोई लावरेव के बीच हुई। रूस यूक्रेन युद्ध के बीच जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस का दौरा किया और उसके बाद व्लादिमीर जेलेंस्की

से मुलाकात की। फिर उनका अगला दौरा अमेरिका में निर्धारित हुआ। अमेरिका में जो बाइडेन के साथ उनकी युद्ध को लेकर बात हुई। अब जयशंकर और लावरोव मिले हैं। इस मुलाकात में सर्गोई लावरोव और भारत के विदेश मंत्री जयशंकर आमने सामने थे। ब्रिक्स के विस्तार को लेकर जब हर तरफ चर्चा हो रही है। फिर दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों को लेकर बातचीत शुरू हो गई। बातचीत के दौरान यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली का जिक्र हुआ। साथ ही ब्रिक्स को लेकर होने वाली बैठक का भी जिक्र हुआ। एशिया पेसेफिक रिजन को जोड़ने के लिए पश्चिमी देश किस तरह नाटो का इस्तेमाल कर रहे हैं, इस पर बार बार रूस जोर देता आया है। रूस की तरफ से इसे लेकर जानकारी भी दी गई और बताया गया कि दोनों देशों के बीच आपसी साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। दोनों ने कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को लेकर भी चर्चा की। इससे पहले 25 सितंबर को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को बताया कि उन्होंने रूस के साथ कीव के लंबे युद्ध को समाप्त करने के लिए दूसरे अंतर्राष्ट्रीय शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत को पहले ही आमंत्रित किया है। ज़ेलेंस्की ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एकता हमेशा शांति के लिए काम करती है और युद्ध को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए सभी देशों से सामूहिक तैयारी का आह्वान किया। जेलेंस्की ने कहा कि मैं आप सभी प्रमुख देशों को इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूंष सभी जो वास्तव में संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करते हैं। हम चीन को आमंत्रित करते हैं। हम ब्राज़ील को आमंत्रित करते हैं। मैंने पहले ही भारत को आमंत्रित किया है। हम अफ्रीकी देशों, पूरे लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व, मध्य एशिया, यूरोप, प्रशांत क्षेत्र और उत्तरी अमेरिका के साथ काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त

अमेरिका में ईरानियों पर ज्तनउच के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान को हैक करने का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिका के न्याय विभाग ने डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान को कथित तरीके से हैक करने और मीडिया संगठनों को चुराई गई जानकारी प्रसारित करने के संदेह पर शुक्रवार को ईरान के तीन लोगों के खिलाफ आपराधिक आरोप तय किए हैं। न्याय विभाग ने कहा कि तीनों आरोपी हैकर ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड में कार्यरत थे और उनके प्रचार अभियान में सरकारी अधिकारियों, मीडिया के सदस्यों और गैर–सरकारी संगठनों सहित कई लोगों को निशाना बनाया गया था। ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान ने 10 अगस्त को खुलासा

किया कि इसे हैक कर लिया गया था और कहा कि इरान के तीनों आरोपियों ने संवेदनशील आंतरिक दस्तावेजों को चुराया तथा प्रसारित किया। पोलिटिको, द न्यूयोर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट समेत कई प्रमुख समाचार संस्थानों ने कहा कि ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान की अंदरूनी गोपनीय जानकारी उन्हें लीक की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे प्रसारित करने से इंकार कर दिया था। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने बाद में ईरान को ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान को हैक करने और जो बाइडन–कमला हैरिस के चुनाव प्रचार अभियान में सेंध लगाने के प्रयास से जोड़ा। पिछले सप्ताह, अधिकारियों ने यह भी खुलासा किया कि जून के अंत और जुलाई की शुरुआत में ईरानियों ने बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान से जुड़े लोगों को हैक की गई जानकारी के अंश वाले अनचाहे ईमेल भेजे।

अब दुनिया को नहीं डरा पाएगा हसन नसरल्लाह, इजरायली सेना ने किया कंफर्म– मारा गया हिज्बुल्लाह चीफ

इजरायल की तरफ से हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्लाह को लेकर सबसे बड़ा दावा किया गया है। इजरायल डिफेंस फोर्स ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि हसन नसरल्ला अब दुनिया को आतंकित नहीं कर पाएगा। इजरायली सेना के अरबी भाषी प्रवक्ता अवीचाय अद्रेई ने कहा कि इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत की पुष्टि की गई है। नसरल्लाह 32 वर्षों से ईरान समर्थित समूह का नेतृत्व कर रहा था। यह जानकारी सेना के अरबी भाषी प्रवक्ता अवीचाय अद्रेई ने दी। यह जानकारी एक दिन पहले बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हिजबुल्लाह के मुख्यालय को निशाना बनाकर इजरायली हमले के बाद दी गई। नसरल्लाह को अली कराकी और अन्य हिज़बुल्लाह कमांडरों के साथ मार दिया गया। इज़रायली सेना ने कहा कि नसरल्लाह कई इज़रायली नागरिकों और सैनिकों की हत्या और यहूदी राज्य के खिलाफ़ हज़ारों आतंकवादी गतिविधियों की योजना बनाने के लिए ज़िम्मेदार था। सेना ने कहा कि आईडीएफ उन सभी को नुकसान पहुंचाना जारी रखेगा जो इजरायल के नागरिकों के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं और इसमें शामिल हैं। नसरल्लाह की मौत लेबनान में ईरान समर्थित समूह के लिए सबसे बड़ा झटका है। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने बेरूत में हिजबुल्ला के केंद्रीय मुख्यालय पर हमला किया है। इजरायली सेना के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने टेलीविजन पर यह घोषणा की। बेरूत में हुए विस्फोट के बाद आसमान में नारंगी और काले रंग के धुएं का गुबार छा गया। यह हमला ऐसे दिन किया गया, जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र को संबोधित किया है।

इज़राइल के एयर स्ट्राइक में हिजबुल्ला चीफ की बेटी ज़ैनब नसरल्लाह की हुई मौत, क्या होगा युद्ध पर इसका असर?

इजरायल की तरफ से साउथ बेरूत के इलाके में हिजबुल्लाह के गढ़ों को निशाना बनाकर किए गए एयर स्ट्राइक में हसन नसरल्लाह की बेटी ज़ैनब नसरल्लाह की मौत हो गई है। हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्लाह को टारगेट कर इजरायल ने साउथ बेरूत पर दर्जनों बम बरसाए। नसरल्लाह की मौत को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन हिजबुल्लाह के एक करीबी सूत्र ने रॉयटर्स को बताया कि वो उस वक्त वहां मौजूद नहीं थे। इज़राइल के चौनल 12 ने नसरल्लाह की बेटी ज़ैनब की मौत की खबर दी। हालांकि हिज़बुल्लाह या लेबनानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जे रूसलम पोस्ट के अनुसार, हिज़बुल्लाह के प्रति अपनी मुखर

निष्ठा और अपने परिवार के बलिदानों के लिए जानी जाने वाली ज़ैनब ने पहले अपने भाई हादी की मौत के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की थी, जिसे 1997 में इज़राइली सेना ने मार डाला था। अगर इस खबर की पुष्टि हो जाती है, तो ज़ैनब की मौत हिज़बुल्लाह के लिए करारा झटको होगी। इजरायल की तरफ से लगातार हो रहे हमले में एक सप्ताह में 800 से अधिक लोग मारे गए हैं। हिज़बुल्लाह के बारे में उनके बयानों ने सार्वजनिक कथन को रेखांकित किया था कि उनके परिवार और समूह के समर्थकों के बीच शहादत को एक महान कारण के रूप में देखा जाता है। खबर में कहा गया है कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इससे बेरूत से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में स्थित इमारतें भी हिल गईं। लेबनान में इजराइल के हवाई हमलों में इस सप्ताह नाटकीय रूप से तेजी आई है। उसने कहा है कि वह अपने क्षेत्र में 11 महीने से अधिक समय से जारी हिजबुल्ला की गोलाबारी को रोकने के लिए कटिबद्ध है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस सप्ताह लेबनान में हमलों में मारे गए लोगों की संख्या 720 से अधिक हो गई है जिनमें कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

हैरिस ने अमेरिका की ''आव्रजन प्रणाली को सुधारने'' का संकल्प लिया

अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने सीमा पर कड़े सुरक्षा उपाय लागू करने और अमेरिका की आव्रजन प्रणाली को मजबूत करने का संकल्प लिया है। हैरिस ने अपने प्रतिद्वंद्वी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस मुद्दे को लेकर उन पर बार–बार किए गए राजनीतिक हमलों का जवाब

देते हुए यह बात कही। अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैरिस ने एरिजोना के डगलस में अमेरिका–मैक्सिको सीमा का दौरा करने के बाद यह टिप्पणी की। हैरिस ने सीमा सुरक्षा पर कड़ा रुख अपनाने के साथ यह भी कहा कि वह अमेरिका में वर्तमान में बिना दस्तावेज के रह रहे प्रवासियों को ''नागरिकता'' प्रदान करने के संबंध में भी कदम उठाएंगी। हैरिस ने कहा, ''राष्ट्रपति बनने के बाद मैं यहां वर्षों से रह रहे और मेहनत कर रहे प्रवासियों को नागरिकता देने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम करूंगी।'' हैरिस अमेरिका की दक्षिणी सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए एरिजोना गई थीं। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति बनने के बाद मैं आव्रजन प्रणाली को मजबूत करने के लिए राजनीति को किनारे रखूंगी और लंबे समय से बरकरार समस्याओं का समाधान निकालूंगी...ये मुद्दे हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

बेरूत उपनगर में हुए हमलों में दो लोगों की मौत और 76 अन्य घायलः लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय

बेरूत उपनगर में इजराइल द्वारा किए गए हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 76 अन्य घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इजराइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने बेरूत में हिजबुल्ला के केंद्रीय मुख्यालय पर हमला किया, जहां एक के बाद एक कई भीषण विस्फोट से काफी संख्या में इमारतें ध्वस्त हो गईं और आसमान में नारंगी तथा काले धुएं का गुबार छा गया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस हमले में कम से कम दो लोग मारे गए और कई लोग घायल हो गए। इजराइल के तीन प्रमुख टीवी चौनलों के अनुसार हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्ला को निशाना बनाने के लिए ये हमले किए गए। हालांकि सेना ने इस पर टिप्पणी से इनकार कर दिया।

अमेरिकी सैनिक इराक में अपने कुछ पुराने ठिकानों को छोड़ेंगे

अमेरिका ने शुक्रवार को इराक की सरकार के साथ एक समझौते की घोषणा की जिसके तहतइराक में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों से लड़ने वाले अमेरिका नीत गठबंधन का सैन्य

मिशन अगले वर्ष तक समाप्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही अमेरिकी सैनिक कुछ ठिकानों से लौटेंगे जिन पर उन्होंने लंबे समय तक कब्जा किया हुआ था। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने हालांकि यह बताने से इनकार किया कि इराक में अब भी सेवारत लगभग 2,500 अमेरिकी सैनिकों में से कितने वहां रहेंगे या क्या सभी लौट आएंगे। पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि यह कहना उचित होगा कि देश के भीतर हमारी भूमिका बदलने जा रही है।' उन्होंने हालांकि इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी। इराक के अधिकारी वर्षों से गठबंधन सेनाओं की वापसी की मांग कर रहे हैं। साथ ही देश में मौजूद अमेरिकी नागरिकों की वापसी को लेकर औपचारिक वार्ता कई महीनों से जारी है।

इंडिया आउट नीति हमने कभी नहीं अपनाई

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के बदले सुर, कहा– पीएम मोदी पर गलत कमेंट करने वालों पर लिया एक्शन

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में इंडिया आउट के किसी भी अजेंडे से इनकार किया और कहा कि हमने कभी भी इस नीति का पालन नहीं किया है। उन्होंने यह जरूर कहा कि हमारे द्वीप देश में विदेशी सेना की मौजूदगी गंभीर समस्या थी। मुइज्जू ने ये बातें भारत दौरे के कुछ समय पहले कही हैं। मालदीव के समाचार पोर्टल adhadhu.com से बातचीत में मुइज्जू ने कहा, हमने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गलत कमेंट करने वाले अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है। हमारी सरकार ने इसलिए भारतीय सैनिकों को मालदीव छोड़ने का आदेश दिया कि हमारे देश के लोग विदेशी सैनिक अपनी जमीन पर नहीं चाहते हैं। पिछले साल नवंबर में चीन समर्थक रुख के लिए मशहूर मुइज्जू के मालदीव के राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंधों में तनाव काफी बढ़ गया था। शपथ लेने के कुछ ही

घंटों के भीतर उन्होंने मालदीव में तीन विमानन प्लेटफॉर्म पर तैनात भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने की मांग की थी। समय के साथ भारत और मालदीव के बीच तनाव में कमी देखी गई, क्योंकि जून में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में मुइज्जू को आमंत्रित किया गया था। मुइज्जू ने पड़ोसी देश भारत के साथ संबंधों को बनाए रखने और मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी जताई थी और इसे द्वीपसमूह राष्ट्र के सबसे करीबी सहयोगियों और अमूल्य भागीदारों में से एक बताया था। चीन के करीबी मुइज्जू को अब सत्ता संभालने के बाद धीरे धीरे भारत की अहमियत समझ में आने लगी है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। इस यात्रा को रिश्तों में कड़वाहट के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। 7–9 अक्टूबर के दौरान द्विपक्षीय यात्रा के लिए भारत में रहने वाले हैं। नाम न बताने की शर्त पर ऊपर बताए गए लोगों ने बताया कि मोदी सहित भारतीय नेतृत्व के साथ उनकी बैठकें 8 अक्टूबर को निर्धारित हैं।

ऐसे कोई डराता है क्या! बार–बार भारत की तरफ से पीओके छीनने की धमकी पर संयुक्त राष्ट्र से शहबाज शरीफ की गुहार

यूएनजीए एक ऐसा मंच है जहां पर तमाम मुद्दे उठते हैं, लेकिन पाकिस्तान बार बार कश्मीर का मुद्दा यहां पर उठाने से बाज नहीं आता। इस बार तो खुद शहबाज शरीफने इस मुद्दे को उठाया और इतना ही नहीं भारत की बढ़ती सैन्य ताकत को भी खतरा बताया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर से कश्मीर का राग अलापा। वहीं भारत की बढ़ती सैन्य ताकत को पाकिस्तान के लिए बड़ा खतरा बताया। शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत बार–बार पीओके छीनने की धमकी देता है। दुनिया को इस पर ध्यान देना चाहिए। शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में कश्मीर का राग अलापते हुए भारत की सैन्य ताकत का भी डर साफ साफ दिखा है। पाकिस्तान ने दुनिया के सामने फरियाद लगाई है। यूएनजीए में पाकिस्तान ने गिड़गिड़ाते हुए कहा कि भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। पीओके छीनने की बार बार धमकी दे रहा है। बता दें कि भारत की तरफ से पीओके के प्रति प्रतिबद्धता में लगातार इजाफा हुआ है। देश के गृह मंत्री ने संसद में खड़े होकर साफ कर दिया था कि पीओके हमारा है और इसके लिए हम जान भी दे सकते हैं। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू कश्मीर के रामबन इलाके में खड़े होकर सीधे पीओके की जनता को मैसेज दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा है कि पीओके के लोगों को पाकिस्तान को छोड़कर भारत के साथ चले आना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामगढ़ में चुनावी जनसभा में एक दिन पहले ही कहा था कि शांतिपूर्ण चुनावों के जरिए बीजेपी की सत्ता में वापसी के बाद, पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भी जम्मू–कश्मीर का हिस्सा बनने जा रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने मांग की कि भारत को 2019 में जम्मू– कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 कोनिरस्त करने के फैसले को वापस लेना चाहिए। उन्होंने भारत पर अपनी मुस्लिम आबादी को अधीन करने और इस्लामी विरासत को खत्म करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। पाकिस्तान नियमित रूप से संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक संबोधन में कश्मीर मुद्दा उठाता रहा है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि दुनियाभर में आतंकवादी घटनाओं में उसका हाथ रहा है और पड़ोसी देश को यह पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद के परिणाम अनिवार्य रूप से भुगतने पड़ेंगे। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस में अपने संबोधन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा जम्मू–कश्मीर का मुद्दा उठाने जाने की प्रतिक्रिया में अपने जवाब देने के अधिकार का शुक्रवार को इस्तेमाल किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।